RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः57 , शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

सशक्त बिहार के निर्माण हेतु सशक्त पंचायत व्यवस्था जरूरीः दीपक प्रकाश 03

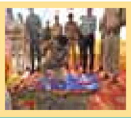
कुमारबाग को मिला नए थाना भवन का तोहफा, एसपी ने किया भूमि पूजन 04

सुंदर सी की अगली फिल्म का टाइटल है पुरुषन; योगी बाबू और विशल के... 07

संक्षिप्त समाचार

महिला आरक्षण संशोधन ड्राफ्ट को केंद्र की मंजूरी

इसी महीने पारित होने की संभावना

- पीएम बोले- यह भारत की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों की झलक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

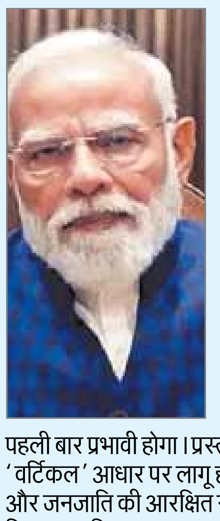

सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जिसमें इस संशोधन बिल को पारित किए जाने की संभावना है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा, और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा। प्रस्ताव के मुताबिक आरक्षण 'वर्टिकल' आधार पर लागू होगा, यानी अनुसूचित जाति और जनजाति की आरक्षित सीटों में भी महिलाओं के लिए हिस्सा तय किया जाएगा।

सिक्किम में बर्फबारी- लैंडस्लाइड, फंसे 135 टूरिस्ट को सेना ने बचाया

- राजस्थान में अप्रैल में सर्दी, उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फ गिरी

लखनऊ/शिमला/देहरादून/भोपाल (एजेंसी)। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच कई जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़क संपर्क टूट गया। लाचेन में करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं और उन्हें जल्द से जल्द बचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। सेना ने कुल 135 फंसे पर्यटकों को बचाया है। उत्तर भारत में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से अप्रैल में भी सर्दी का अहसास हो रहा है। राजस्थान में 20 दिनों से बदले मौसम के कारण तापमान 7 डिग्री तक कम हुआ है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 17 राज्यों में

आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सिक्किम, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

बिहार में काल बैसाखी सिस्टम एक्टिव हो गया है। काल बैसाखी अचानक आने वाला तेज आंधी-तूफान होता है। यह अप्रैल-मई (वैशाख) में आता है। इसके एक्टिव होने पर 50-100 किमी की रफ्तार से हवाएं चलती हैं, बारिश और ओले गिरते हैं। यह जल्दी खत्म हो जाता है।

असम और मेघालय में मौसम सबसे ज्यादा खराब रहेगा। यहां आंधी-बारिश और ओले गिरने का ऑरेंज अलर्ट है। दक्षिण के राज्यों तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और और कोस्टल कर्नाटक में उमस भरा मौसम रहेगा।

ड्रोन से रोबोट वुल्फ तक | चीन की बिना इंसान वाली सेना

'ड्रैगन' की नई युद्ध रणनीति से दुनिया हैरान

बीजिंग/नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन तेजी से आधुनिक और बिना इंसान वाले युद्ध की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हाल ही में सामने आई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीन ऐसे रोबोट कुत्ते बना रहा है, जो 'भेड़ियों के झुंड' की तरह मिलकर लड़ सकते हैं। ये रोबोट न सिर्फ खुद फैसले ले सकते हैं, बल्कि ड्रोन के साथ मिलकर जटिल सैन्य मिशन भी पूरा कर सकते हैं।

चीन की सेना के लिए तैयार किए गए ये नए रोबोट पुराने मॉडल से काफी अलग हैं। पहले ये सिर्फ एक सैनिक की मदद करते थे, लेकिन अब ये एक साथ मिलकर काम करने वाला पूरा युद्ध सिस्टम बन गए हैं। चीन के सरकारी टीवी ने भी अपने एक कार्यक्रम में इन 'रोबोट वुल्फ' की क्षमता दिखाई है। इन रोबोट्स को ऐसे बनाया गया है कि वे शहरों में युद्ध के दौरान एक-दूसरे से जुड़कर काम कर सकें। इनके पास एक साझा नेटवर्क होता है, जिसे एक तरह का 'कॉमन दिमाग' कहा जा रहा है, जिससे ये आपस में जानकारी शेयर करते हैं और साथ में फैसले लेते हैं।

अलग-अलग काम, अलग-अलग रोबोट

इन रोबोट कुत्तों को अलग-अलग काम के हिसाब से तैयार किया गया है। जैसे 'शैडो' वर्जन निगरानी और जानकारी जुटाने का काम करता है, जबकि 'ब्लडी' वर्जन हमला करने और दुश्मन को खत्म करने के लिए बनाया गया है। इसके अलावा 'पोलर' नाम का रोबोट सपोर्ट और लॉजिस्टिक्स का काम संभालता है। खास बात यह है कि 'ब्लडी' रोबोट को माइक्रो मिसाइल, ग्रेनेड लॉन्चर और ऑटोमैटिक राइफल जैसे हथियारों से लैस किया जा सकता है, जिससे इसकी ताकत काफी बढ़ जाती है। इन नए रोबोट्स की गति भी बेहतर है और ये 15 किमी प्रति घंटे तक दौड़ सकते हैं। ये 25 किलो तक वजन उठा सकते हैं और कठिन इलाकों में भी काम कर सकते हैं।

ड्रोन और एआई से मिलकर हमला- चीन ने सिर्फ जमीन पर ही नहीं, हवा में भी ऐसी तकनीक तैयार की है। 'एटलस' नाम का ड्रोन सिस्टम एक साथ 96 ड्रोन को नियंत्रित कर सकता है, जो निगरानी, हमला और दुश्मन की संचार प्रणाली को बाधित करने जैसे काम करते हैं।

- **लेजर हथियार और समुद्री ड्रोन-** चीन ने ड्रोन को रोकने के लिए लेजर हथियार भी विकसित किए हैं, जैसे 'गुआंगजियान 11-ई' और 'गुआंगजियान 21-ए', जो दुश्मन के ड्रोन को निष्क्रिय या नष्ट कर सकते हैं। समुद्र में भी चीन ने बिना चालक वाले जहाज तैयार किए हैं, जैसे 'एल30', जो खुद रास्ता तय कर सकते हैं, बाधाओं से बच सकते हैं और जरूरत पड़ने पर दुश्मन को घेर सकते हैं। चीन के वैज्ञानिकों का लक्ष्य भविष्य में पूरी तरह स्वचालित सिस्टम बनाना है, जो बिना इंसानी हस्तक्षेप के बड़े स्तर पर युद्ध मिशन को अंजाम दे सकें। विशेषज्ञ मानते हैं कि 'वुल्फ पैक' मॉडल भविष्य के युद्ध का नया चेहरा बन सकता है।

असम, केरल और पुडुचेरी में बंपर वोटिंग

- पांडुचेरी में कांग्रेस-भाजपा समर्थक भिड़े

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी (एजेंसी)। देश के तीन महत्वपूर्ण राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में आज विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। असम, केरलम और पुडुचेरी में एक ही चरण में वोटिंग कराई गई। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक चला। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे,हजारों पुलिसकर्मी और केंद्रीय बल तैनात थे। त्रिपुरा उपचुनाव में शांतिपूर्ण मतदान पूरा, 79.84 प्रतिशत वोटिंग दर्ज गई थी। वहीं असम में रिकॉर्ड मतदान, 84.42 प्रतिशत वोटिंग के साथ चुनाव संपन्न हुआ। मतदान में पुडुचेरी सबसे आगे, असम और केरल में भी अच्छी भागीदारी।

दोपहर 5 बजे तक असम में 84.42 प्रतिशत, केरलम में 75.01 प्रतिशत और पुडुचेरी में 86.92 प्रतिशत मतदान हो गया था। देश के तीन राज्यों असम, केरलम और पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में वोटिंग हुई। कुल 296 सीटों पर मतदान हुआ।

पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक मोटरसाइकिल से पहुंचे।केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर ए.के. एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। उन्होंने मीडिया से कहा- केरलम के लोग भाजपा को पसंद नहीं करते। राज्य में 10 साल के कुशासन की सरकार है। इसलिए इस बार सरकार बदलेगी।

गौरव गोगोई बोले- चुनाव के बाद एक शक्तिशाली और नया असम उभरेगा- जोरहाट (असम) में राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने अपना वोट डाला और कहा कि चुनाव के बाद एक शक्तिशाली, निडर, आत्मविश्वासी और नया असम उभरेगा।

सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर राहुल गांधी ने दिया भरोसा, सरकार में आने पर सीएपीएफ को उसका पूरा हक देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि जब उनकी पार्टी सत्ता में आएगी तो केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ में 'भेदभावपूर्ण व्यवस्था) को खत्म कर देगी।सीआरपीएफ के शौर्य दिवस पर एक लंबे-चौड़े एक्स पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी सरकार आने पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सीएपीएफ के जवानों को शीर्ष पद पर जाने का भी अवसर मिले। उन्होंने सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर जवानों के साहस और वीरता के लिए उन्हें बधाई और सम्मान दिया है। आपका साहस और बलिदान हर दिन हमारे देश की रक्षा करता है।

- सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला केस सुनवाई पर सरकार बोली-

कई मंदिरों में प्रसाद में शराब दी जाती है

कोर्ट यह नहीं कह सकता वहां शराब मत दो

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान भारत के मंदिरों में रीति-रिवाजों का जिक्र किया। एएसजी नटराज ने कहा, दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रसाद के रूप में मदिरा दी जाती है। कल को आप इस पर यह आपत्ति नहीं उठा सकते कि मदिरा न दी जाए।

एक उदाहरण देता हूं, कई मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जाता है, और अगर कोई व्यक्ति अपनी पसंद या अंतरात्मा की आवाज पर कहता है कि वह मांसाहारी भोजन करना चाहता है, तो वह किसी खास संप्रदाय के पास जाकर यह नहीं कह सकता कि मेरा यह अधिकार है और मुझे यही परोसा जाना चाहिए। उसे उन श्रद्धालुओं के अधिकारों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है।

दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

- ई-मेल में आत्मघाती हमले का जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा को आज गुरुवार सुबह एक बार फिर से धमकी भरा ई-मेल मिला है। दिल्ली विधानसभा में दो-तीन दिन पहले सुरक्षा में हुई बड़ी चूक के बाद अब बम से उड़ाने की धमकी मिलने पर अधिकारियों में हड़कंप मच गया। बता दें कि दो पहले सोमवार को ही एक व्यक्ति ने तेज रफ्तार कार से दिल्ली विधानसभा के वीवीआईपी गेट नंबर-2 पर बैरियर तोड़ते हुए गाड़ी अंदर घुसा दी थी। इतना ही नहीं आरोपी वारदात के बाद मौके से भी फरार हो गया। हालांकि, कुछ घंटों में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था।

बंगाल में पीएम मोदी ने बीरभूम में भी फूंका बदलाव का बिगुल, कहा-

टीएमसी राज में मां-माटी और मानुष परेशान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आज लगातार तीन रैली कर रहे हैं। पहले पीएम मोदी ने हल्दिया की रैली संबोधित किया था। वहां उन्होंने जनता को विकास की गारंटी दी, जबकि आसनसोल में टीएमसी के 'पापों' का हिसाब लेने की चेतावनी दी। वहीं, बीरभूम की रैली में भी उन्होंने टीएमसी पर बड़ा हमला बोला। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि बीरभूम की ऐतिहासिक धरती ने संथाल क्रांति को ऊर्जा दी थी।

आज उसी बीरभूम में परिवर्तन की आंधी नजर आ रही है। मेरे सामने ये विशाल जनसागर परिवर्तन की घोषणा कर रहा है। साथियों, रबींद्र नाथ टेगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे। हर कोई भयमुक्त हो, लेकिन टीएमसी के गुंडाराज ने एकदम उल्टा कर दिया। ये हमेशा मां, माटी और मानुष की बात करते थें। लेकिन टीएमसी के राज में मां रो रही है। माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत है। डरा हुआ है। सहमा हुआ है। पीएम ने कहा कि यह स्थिति बदलने के लिए अब निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है।

घुसपैठियों का कब्जा खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी का सिंडिकेट घुसपैठियों को फर्जी सरकारी दस्तावेज दिलाने में मदद कर रहा है।

उनके मुताबिक यह सिर्फ राज्य नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है।

बारामती में उपचुनाव नहीं लड़ेगी कांग्रेस

- अजित पवार को श्रद्धांजलि के तौर पर लिया बड़ा फैसला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा मोड़ आया है। कांग्रेस ने एलान किया है कि वह इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। यह फैसला पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद सम्मान जताने के तौर पर लिया गया है। इस निर्णय के बाद अब बारामती सीट पर चुनाव का माहौल पूरी तरह बदल गया है।

दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नाथाला ने साफ कहा कि पार्टी ने अपने उम्मीदवार को मैदान से हटाने का निर्देश दे दिया है। कांग्रेस के उम्मीदवार आकाश मोरे ने नामांकन दाखिल किया था, लेकिन अब उसे वापस लिया जाएगा।

सीजफायर टूटेगा या टिकेगा?

लेबनान पर अड़ा ईरान, पेजेश्कियन बोले- ट्रिगर पर हाथ है, सोचकर फैसला लेना

- ट्रंप ने सीजफायर की 3 शर्तें तोड़ीं,अब बातचीत का कोई मतलब नहीं : ईरान
- जारी रहेगा हिज्बुल्लाह पर हमला : नेतन्याहू

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर की तीन अहम शर्तें तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका ने 10-पॉइंट प्रस्ताव की बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है। ईरान ने कहा कि लेबनान में हमले जारी रहते हुए सीजफायर की बात मंजूर नहीं है। वहीं इजरायल पीएम नेतन्याहू कहा हिज्बुल्लाह पर हमला जारी रखेंगे। इससे अब संशय पैदा हो गया है कि सीजफायर टूटेगा या टिकेगा? वहीं ईरान लेबनान पर अड़ गया है।

पेजेश्कियन बोले- ट्रिगर पर हाथ है, सोचकर फैसला लेना।

ईरान ने साफ कहा है कि जिस आधार पर बातचीत होनी थी, वही पहले ही टूट चुका है। ऐसे में अब बातचीत या सीजफायर तर्कसंगत नहीं रह गया है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ हुआ समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिकी सेना ईरान के आसपास तैनात रहेगी। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर चेतावनी दी कि अगर समझौते का पालन नहीं हुआ, तो फिर से गोलीबारी शुरू होगी, जो पहले से ज्यादा बड़ी, ताकतवर और विनाशकारी होगी। हालांकि उन्होंने कहा कि इसकी संभावना बेहद कम है, लेकिन अमेरिका पूरी तरह तैयार है।

लेबनान में इजराइली हमलों से एक दिन में 254 मौतें

इजराइली सेना ने लेबनान में सैकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 1,165 लोग घायल हुए। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है।

लेबनान अमेरिका-ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है:इजराइल प्रधानमंत्री नेतन्याहू

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि लेबनान अमेरिका-ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है। वहीं, मध्यस्थ पाकिस्तान का कहना है कि इस सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि लेबनान इस समझौते से अलग है और इसका हिस्सा नहीं है।

शादी कार्ड पर अब उम्र लिखना ना भूलें

- आखा तीज पर पूरे राजस्थान में सक्रिय रहेगी टीम

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में अबूझ सावे का प्रतीक आखा तीज न केवल खुशियों का त्योहार है, बल्कि सदियों से यह बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई की काली छाया में भी रहा है। इस वर्ष भी आखा तीज और पीपल पूर्णिमा के अवसर पर होने वाले बाल विवाहों को रोकने के लिए गृह विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी कर दिया है। सरकार ने इस बार ऐसा 'चक्रव्यूह' तैयार किया है कि सरकारी कारिंदे 24 घंटे हर गांव-ढाणी पर पैनी नजर रखेंगे।

कलेक्टर और एसपी को सीधी जिम्मेदारी- गृह विभाग ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने इस बार केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि जवाबदेही भी तय की है।

संक्षिप्त समाचार

हरभजन सिंह ने वैभव सूर्यवंशी को किया सेल्यूट, बुमराह की पहली बॉल पर मारा था छक्का

पटना। IPL में मुंबई के खिलाफ मैच में राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी ने दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों में शुमार जसप्रीत बुमराह की पहली गेंद पर छक्का जड़ा था। इसपर अब उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी है। वैभव ने कहा कि मैं बस यही कोशिश कर रहा था कि बॉलर को न देखकर बॉल को खेलने का ट्राई करूं। इतने बड़े बॉलर सामने थे तो मैं नर्वस जरूर था, लेकिन मैं खेलने का ट्राई कर रहा था। इसलिए मैंने बुमराह को न देखकर बॉल को देखा।मेरे लिए यह यादगार पल रहेगा कि बुमराह की पहली बॉल पर छक्का मारा था। मुझे यशस्वी जायसवाल ने बोला था कि मारते रहो। वहीं, उनके इस प्रदर्शन पर हरभजन सिंह ने उन्हें सेल्यूट किया। वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर और ट्रेंट बोल्ट की पहली गेंद पर छक्का जड़ा था। हालांकि उन्हें ट्रेंट बोल्ट के खिलाफ मारे गए सिक्स ज्यादा पसंद आए। वैभव की इस धमाकेदार पारी की खूब तारीफ हुई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने वैभव सूर्यवंशी से मिलकर उनकी सराहना करते नजर आए। हार्दिक ने वैभव को सीने पर हाथ ठोककर शाबाशी दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मैच के बाद उन्होंने कहा, 16 या 17 साल के लड़के को इस तरह निडर होकर खेलते देखना वाकई अद्भुत है। हमारे पास वैभव सूर्यवंशी के लिए कोई खास योजना नहीं थी। वह बिल्कुल 'आउट ऑफ सिलेबस' खिलाड़ी निकले और उन्होंने बेहद शानदार खेल दिखाया। वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह के ओवर में 2 सिक्स लगाए थे। पहली ही गेंद पर उन्होंने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से शानदार सिक्स लगाया था। इसके बाद शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेलते हुए डीप स्क्वेयर लेग के पार सिक्स लगा दिया। इसके अलावा उन्होंने शार्दुल ठाकुर और ट्रेंट बोल्ट के पहले बॉल पर भी छक्का मारा था। वैभव सूर्यवंशी ने 14 बॉल पर 39 रन बनाया था। वैभव की पारी में 5 छक्के और 1 चौके शामिल हैं।

पूर्व असिस्टेंट इंजीनियर की संपत्ति 295 प्रतिशत अधिक, बेउर जेल में हैं बंद

पटना। बेतिया के पूर्व असिस्टेंट इंजीनियर रौशन कुमार घूस लेने के आरोप में जेल में बंद हैं। इधर, उनकी संपत्ति उनकी सरकारी सैलरी से 295 प्रतिशत अधिक मिली है। इस वजह से रौशन कुमार की मुसिबत और अधिक बढ़ गई है। उनके ऊपर कानूनी शिकंजा और ज्यादा कस गया है। रौशन कुमार के खिलाफ स्पेशल विजिलेंस यूनिट (SVU) ने आय से अधिक संपत्ति का दूसरा केस दर्ज किया है। पुलिस को उनके बेतिया स्थित घर से करीब 42 लाख 500 रुपए मिले हैं। रंगे हाथ रिश्वत में 5 लाख रुपए और स्मार्ट वॉच लेते हुए SVU की टीम ने इन्हें 1 मार्च को बेतिया में छापेमारी कर पकड़ा था। तब

इनके उपर प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत पहला केस दर्ज किया गया था। तब से रौशन पटना के बेउर जेल में बंद हैं। ADG पंकज कुमार दाराद ने नई FIR 12/2026 दर्ज किए जाने की पुष्टि की है। रौशन कुमार की असिस्टेंट इंजीनियर की नौकरी परमानेंट नहीं थी। शिक्षा विभाग में कॉन्ट्रैक्ट पर नौकरी हुई थी। बेतिया के जिला शिक्षा परियोजना पदाधिकारी कार्यालय में पोस्टिंग थी। उनकी सैलरी मात्र 40 हजार रुपए की थी। SVU के अनुसार, अक्टूबर 2023 में नौकरी लगने के बाद से लेकर गिरफ्तार किए जाने तक में कुल 29 महीने ही रौशन ने काम किया। इसी बीच कुल सैलरी 11 लाख 60 हजार रुपए रही। इसमें 3 लाख 86 हजार 666 रुपए इसने खर्च किए। इनकी कुल बचत 7 लाख 73 हजार 334 रुपए रही। बावजूद इसके जब जांच एजेंसी की टीम ने इसके बेतिया स्थित रौशन के घर पर छापेमारी की थी, तब एक कार्टून के अंदर से 42 लाख 500 रुपए कैश बरामद हुए थे। इसी आधार पर SVU ने 34 लाख 27 हजार 166 रुपए आय से अधिक संपत्ति का नया केस 8 अप्रैल को दर्ज किया। जो रौशन की आमदनी से 295 प्रतिशत अधिक है।

चोरी गिरोह सहित 8 अपराधी गिरफ्तार, 2 बाइक बरामद, जानलेवा हमले के आरोपी भी पकड़े गए

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने बिदुपुर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी गिरोह सहित विभिन्न मामलों में कुल आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने चोरी की दो मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं। बिदुपुर थाना पुलिस ने 7 अप्रैल 2026 को चोरी की दो मोटरसाइकिलों के साथ चार अभियुक्तों को पकड़ा। इनकी पहचान अमित कुमार, कुंदन सिंह, मिट्टू कुमार और शैलेंद्र कुमार के रूप में हुई है। ये सभी चोरी गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं। इससे पहले, 5 अप्रैल 2026 को बिदुपुर थाना क्षेत्र के फुलपुरा में एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने के आरोप में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इनमें सतीश कुमार (पिता सुनील कुमार), रितेश कुमार (पिता सुरेंद्र राय) और अनिल

राय (पिता बुलाकी राय) शामिल हैं। एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि बिदुपुर थाना क्षेत्र से विभिन्न कांडों में फरार चल रहे आठ अभियुक्तों को थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने पुष्टि की कि गिरफ्तार किए गए आठ में से चार अभियुक्त पेशेवर चोर हैं और उनके पास से दो चोरी की बाइक बरामद हुई हैं। तीन अन्य को हत्या के प्रयास के आरोप में पकड़ा गया है। एक अन्य मामले में, बिदुपुर थाना कांड संख्या 21/24 के तहत चोरी के आरोप में संजीत कुमार (पिता रामबालक शर्मा) को भी गिरफ्तार किया गया है। यह मामला एक गैराज से चोरी के सामान की बरामदगी से जुड़ा है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में अमित कुमार, कुंदन सिंह, मिट्टू कुमार (सभी मथुरापुर, बिदुपुर), शैलेंद्र कुमार (कुतुबपुर, बिदुपुर), सतीश कुमार, रितेश कुमार, अनिल राय (सभी फुलपुरा, बिदुपुर) और संजीत कुमार (दाउदनगर, बिदुपुर) शामिल हैं।

2 आरोपी अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार, जमीन विवाद में दूसरे को फंसाने की थी साजिश

हाजीपुर। वैशाली जिले के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र से पुलिस ने दो व्यक्तियों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। ये दोनों एक जमीन विवाद में दूसरे व्यक्ति को फंसाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस को 8 अप्रैल, 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि रामपुर करारी बरारी स्थित वकील राय के दालान में अवैध हथियार छिपाए गए हैं। वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, हाजीपुर, श्री सुबोध कुमार के नेतृत्व में जुड़ावनपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने पर, दालान से कपूरी राय और गुड्डु कुमार भागने लगे, जिन्हें पीछा कर पकड़ लिया गया। दालान की तलाशी के दौरान, भूसे के बोरे के नीचे कपड़े में लिपटा एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में गिरफ्तार

अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि उनका वकील राय से जमीन का विवाद चल रहा है। उन्होंने बताया कि वे वकील राय को फंसाने के उद्देश्य से अवैध आग्नेयास्त्र को दालान में छिपाने गए थे, तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में जुड़ावनपुर थाना कांड संख्या 78/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस उनके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान कपूरी राय (पिता बालेश्वर राय) और गुड्डू कुमार (पिता बिंदेश्वर राय) के रूप में हुई है। दोनों रामपुर करारी बरारी, वार्ड-08, थाना-जुड़ावनपुर, जिला-वैशाली के निवासी हैं। बरामद किए गए हथियारों में एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस शामिल हैं।

बेतिया राज जमीन पर सरकार का बड़ा फैसला, 1986 के बाद वालों पर कड़ा एक्शन

24 हजार एकड़ जमीन पर नियंत्रण पुराने कब्जाधारियों को राहत

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार अब बेतिया राज की संपत्तियों को लेकर सख्त कदम उठाने जा रही है। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि अब इन संपत्तियों का पूरा प्रबंधन कानूनी और पारदर्शी तरीके से होगा, ताकि अवैध कब्जों पर रोक लगे और सही लोगों को राहत मिल सके। सरकार ने "बेतिया राज संपत्ति नियमावली 2026" का ड्राफ्ट तैयार किया है। यह 2024 में बने कानून को लागू करने के लिए लाया गया है। इसका मकसद है कि बेतिया राज की जितनी भी चल-अचल संपत्तियां हैं—चाहे बिहार में हों या राज्य के बाहर—उन्हें सरकार अपने नियंत्रण में लेकर उनका सही इस्तेमाल कर सके।

पहले लिस्ट, फिर आपत्ति का मौकाः इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार सबसे पहले सभी संपत्तियों की सूची सार्वजनिक करेगी। इसके बाद लोगों को 60 दिनों का समय दिया जाएगा कि अगर उन्हें कोई आपत्ति है तो दर्ज करें। जिला स्तर पर इसके लिए विशेष अधिकारी नियुक्त होंगे, जिन्हें कोर्ट जैसी शक्तियां दी जाएंगी। ये अधिकारी अधिकतम 90 दिनों के अंदर मामलों का निपटारा करेंगे।

समाहर्ता लेंगे जमीन का कब्जाः अगर तय समय में कोई आपत्ति नहीं आती

है या खारिज हो जाती है, तो जिला प्रशासन (समाहर्ता) सीधे जमीन का कब्जा ले लेगा। इसके बाद संपत्तियों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जाएगा— जैसे ऐतिहासिक संपत्ति, सरकारी उपयोग वाली जमीन, वैध पट्टाधारकों की जमीन और बिना कागज वाले कब्जे।

1986 कट-ऑफः पुराने कब्जाधारियों को राहतः सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए 1 जनवरी 1986 को कट-ऑफ डेट तय किया है। जो लोग इस तारीख से पहले से जमीन या मकान पर कब्जे में हैं और उनके पास वैध दस्तावेज हैं, उन्हें राहत दी जाएगी। ऐसे लोगों को तय रकम देकर जमीन को अपने नाम यानी फुल मालिकाना हक में बदलने का मौका मिलेगा। यह लंबे समय से रह रहे लोगों के लिए बड़ी राहत है।

1986 के बाद कब्जा करने वालों पर सख्तीः जो लोग 1 जनवरी 1986 के बाद जमीन पर कब्जा किए हैं, उनके खिलाफ सरकार सख्त रुख अपनाएगी। ऐसे भवनों को "कब्जे में" लिया जा सकता है और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अगर किसी के पास वैध कागज या लंबे समय का प्रमाण नहीं मिला, तो उसे अवैध कब्जाधारी मानते हुए हटाया जाएगा।

ऐतिहासिक संपत्तियों का होगा संरक्षणः बेतिया राज की कई संपत्तियां ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण हैं। सरकार इनका संरक्षण, मरम्मत और सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। इसके लिए विशेषज्ञों और पुरातात्विक संस्थानों की मदद ली जाएगी, ताकि इनकी पहचान और विरासत सुरक्षित रह सके। सरकार का कहना है कि इस नियमावली के लागू होने से संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन होगा और उनका उपयोग विकास कार्यों में किया जा सकेगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और अवैध कब्जों पर भी लगाम लगेगी। बेतिया राज की जमीन बिहार के कई जिलों में फैली हुई है। सबसे ज्यादा जमीन पश्चिम चंपारण में है। इसके अलावा पूर्वी चंपारण, सारण, गोपालगंज, सिवान और पटना में भी इसकी संपत्तियां मौजूद हैं। कुल मिलाकर करीब 24,477 एकड़ जमीन इस दायरे में आती है, जो राज्य के लिए एक बड़ी संपत्ति मानी जाती है।

---

19 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, बिजली गिरने की भी आशंका

एजेंसी, पटना

बिहार में प्री-मानसून का सबसे खतरनाक सिस्टम 'काल वैशाखी' एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए राज्य के अधिकांश हिस्सों, विशेषकर उत्तर और पूर्वी बिहार में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। बुधवार रात से गुरुवार तक 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की आशंका है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और उत्तर-पश्चिमी चक्रवातीय सिस्टम के मिलन से यह स्थिति बनी है, जिससे पारा 4 डिग्री तक लुढ़क सकता है। हालांकि, 10 अप्रैल के बाद से फिर से मौसम ठीक हो सकता है।

राज्य में मौसम के दो रंग दिखे। एक तरफ कैमूर (भभुआ) 38.1 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा, वहीं पटना में दोपहर बाद हुई हल्की बारिश से मौसम सुहावना हो गया। यहां का पारा 29 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे ज्यादा बारिश औरंगाबाद के कुटुंबा (2.6 मिमी) में हुई।

बुधवार को 11 जिलों में हुई बारिशः बीते 24 घंटे में पटना पटना, बांका, गोपालगंज-बेगूसराय समेत 11 जिलों में बारिश हुई। पटना में सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई, जबकि दोपहर बाद तेज बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। वहीं, 34.3 डिग्री अधिकतम तापमान के साथ छपरा सबसे गर्म जिला रहा। बारिश और आंधी की वजह से अधिकतम तापमान में कमी आई है। हालांकि 11 अप्रैल बाद फिर गर्मी शुरू हो जाएगी।

मौसम विभाग के अनुसार, यह बदलाव अभी थमने वाला नहीं है। एक-दो दिन ऐसे ही हालात बने रहेंगे। इस दौरान कई जगहों पर तेज बारिश, आंधी और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

कांग्रेस के नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम का आज समापन

एजेंसी, पटना

कांग्रेस के नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम का आज समापन होगा। दो महीने से चले आ रहे इस प्रोग्राम में तीन पदों के लिए प्रतियोगिता हुई। इसमें 9100 लोगों ने अप्लाई किया था, जिसमें 100 लोगों को शॉर्टलिस्ट करके फाइनल राउंड के लिए बुलाया गया था। बिहार में नेशनल टैलेंट हंट के प्रभारी अभय दुबे ने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे चाहते हैं कि सभी को कांग्रेस पार्टी में समान अवसर मिले।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी के द्वार सभी जाति, धर्म, वर्ग के लोगों के लिए समान तरीके से खुले। इसलिए हमने राष्ट्रियव्यापी टैलेंट हंट प्रोग्राम की शुरुआत की थी और इसमें से 17 राज्यों में प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बिहार में आज इस प्रोग्राम का समापन है। बिहार को हमने चार

जोन- पटना, पूर्णिया, भागलपुर और मुजफ्फरपुर में बांटकर कार्यक्रम किया था। उसमें से चयनित लोगों को आज हम अंतिम रूप में विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित करके प्रक्रिया को आकर दे रहे हैं।

इस पहल के अंतर्गत कांग्रेस पार्टी तीन प्रमुख क्षेत्रों में प्रतिभाओं की खोज कर रही थी। पहला मीडिया प्रवक्ता-पैनलिस्ट जो टीवी, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सार्वजनिक मंचों पर स्पष्टता, विश्वसनीयता और अनुशासन के साथ पार्टी का पक्ष रख सकें।

पटना में असम के सीएम का कांग्रेस ने पुतला फूंका

एजेंसी, पटना

पटना में कांग्रेस विरोध प्रदर्शन कर रही है। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए 'पागल' और 'सठियाया' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इसे अपमानजनक, दलित विरोधी और शर्मनाक बताया है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में हिमंता बिस्वा सरमा का पुतला दहन किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

राजेश राम बोले- दलितों का अपमान बद्र्शत नहीं करेंगेः बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि यह बताते हुए काफी दुख हो रहा है कि हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जो दलित समाज से आते हैं, उनके खिलाफ असम के मुख्यमंत्री ने अपमानजनक टिप्पणियां दी है, जिससे पूरे देश के

दलित आहत है। दलितों पर बीजेपी और आरएसएस अत्याचार करती है और कराती है। हिमंता बिस्वा सरमा जैसे पागल व्यक्ति ने जिस तरह से अभद्र टिप्पणियां की है, वह पूरे देश के दलित समाज को अपमानित करने वाला है। बिहार के दलितों ने इसे बहुत गंभीरता से लिया है।

आज भी दलितों पर अत्याचार घोड़ी पर चढ़कर शादी करने की परंपरा से घृणित रहती है। आज भी दलितों के मूंछ रखने पर आरएसएस वालों को प्रॉब्लम होती है। मगर हमारे दलित समाज के लोग खड़गे जी के अपमान को कभी जाया नहीं होने देंगी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश के

- **पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए 'पागल' शब्द का इस्तेमाल किया था, प्रदेश कमेटी ने शर्मनाक कहा**

दलितों को मार्गदर्शन दिया है। यह सभी बातें कोई भी सभ्य समाज में तभी बोल सकता है जो मानसिक रोग से विक्षिप्त हो।

अगर संविधान में शपथ लेने वाले लोग ऐसा बोलेंगे तो सोच लीजिए कि बीजेपी की मानसिकता क्या है। इसके अलावा जिस तरह से उन्होंने पवन खेड़ा पर टिप्पणी की उसकी भी चर्चा नहीं की जा सकती है। इसके अलावा राजेश राम ने ऐलान किया है कि इस मामले पर कल बिहार कांग्रेस पूरे जिले में असम के मुख्यमंत्री का पुतला दहन करके विरोध प्रदर्शन करेगी।

शिक्षक भर्ती पर भ्रम फैलाकर झूठा क्रेडिट लूटने की कोशिश में तेजस्वीः उमेश कुशवाहा

एजेंसी, पटना

बिहार जनता दल (यूनाइटेड) (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि शिक्षक भर्ती को लेकर वे भ्रम फैलाकर झूठा क्रेडिट लेने का प्रयास कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि राजद कोटे से तत्कालीन शिक्षा मंत्री महीनों तक अपने विभागीय दफ्तर से नदारद रहे और भर्ती प्रक्रिया में लगातार अड़चनें पैदा करने की कोशिश की गई।

कुशवाहा ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण ही शिक्षा विभाग में लाखों शिक्षकों की बहाली संभव हो सकी और युवाओं को बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरियां दी गईं। कुशवाहा ने निशाना साधते हुए कहा कि झूठा श्रेय लेने की राजनीति करने वाले तेजस्वी यादव को यह बताना चाहिए कि उनके माता-पिता के 15 वर्षों के शासनकाल में कितने शिक्षकों की बहाली हुई थी? सच्चाई यह है कि उस दौर में शिक्षकों की नियुक्ति

नाममात्र की रही और राज्य में छात्र-शिक्षक अनुपात बेहद दयनीय स्थिति में पहुंच गया था। उस समय जहां 65 विद्यार्थियों पर मात्र एक शिक्षक उपलब्ध था, वहीं वर्तमान में यह अनुपात घटकर लगभग 35 विद्यार्थियों पर एक शिक्षक हो गया है।

उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार ने शिक्षक बहाली के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया, जिसकी चर्चा देशभर में होती है। वर्ष 2024 में बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से 2,38,744 शिक्षकों की नियुक्ति की गई, वहीं वर्ष 2025 में 36,947 प्रधान शिक्षक एवं 5,971 प्रधानाध्यापकों की बहाली की गई। इसके अतिरिक्त वर्ष 2006 में स्थानीय निकायों से नियोजित 3,68,000 शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा के माध्यम से नियमित करने की प्रक्रिया भी चल रही है। आज बिहार में सरकारी शिक्षकों की संख्या लगभग 6 लाख के करीब पहुंच चुकी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में हुए व्यापक सुधारों का ही परिणाम है कि बिहार की साक्षरता दर अब लगभग 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। विशेष रूप से महिलाओं की साक्षरता दर, जो वर्ष 2001 में मात्र 33.57 प्रतिशत थी, अब बढ़कर 73.91 प्रतिशत हो गई है। कुशवाहा ने कहा कि तेजस्वी यादव को जनता को गुमराह करने के बजाय अपने परिवार के शासनकाल की सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए और यह बताना चाहिए कि उस समय शिक्षा व्यवस्था क्यों बदहाल थी।

इससे पहले तेजस्वी यादव ने बिहार में शिक्षा व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार तो बन गई लेकिन टीआरई 4 के लिए अभी भी अभ्यर्थी इंतजार ही कर रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने टीआरई 4 की वैकेंसी जल्द जारी करने की मांग भी की।

'बिहार में हो सम्राट सरकार' पोस्टर फाड़ा, फाड़ने से एक घंटे पहले ही लगा था बैनर

एजेंसी, पटना

पटना में भाजपा कार्यालय के बाहर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को सीएम बनाने की मांग वाला पोस्टर लगा था। पोस्टर लगने के मात्र 1 घंटे बाद ही उसे फाड़ दिया गया। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पोस्टर हटाए। भाजपा कार्यालय के बाहर वाल्मीकि समाज संघ की ओर से यह पोस्टर लगाए गए थे, जिसमें सम्राट चौधरी को बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई थी। पोस्टर लगने के कुछ ही समय बाद कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने फाड़ दिया।

भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा कि पार्टी को इस पोस्टर के बारे में कोई जानकारी नहीं है। पोस्टर किसने लगाया और किसने फाड़ा, इसकी जानकारी भाजपा को नहीं है। यह किसी बाहरी व्यक्ति का काम हो सकता है और पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा एक बड़ी और अनुशासित पार्टी है, जहां किसी भी बड़े फैसले जैसे मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार तय

करने का निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाता है।

गुटबाजी की अटकलों को मिला बलः पोस्टर फाड़े जाने की घटना के बाद यह चर्चा तेज हो गई कि भाजपा में सम्राट चौधरी की सीएम दावेदारी को लेकर मतभेद उभर रहे हैं। एक ओर जहां कुछ वर्ग उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए मजबूत दावेदार के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इस तरह के पोस्टरों का विरोध पार्टी के अंदरूनी मतभेद को उजागर कर रहे है।

भाजपा ने बता दिया, उसे पीछड़ा वर्ग की राजनीति नहीं चाहिएः राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि पोस्टर बेजीपी के कर्मचारी से फड़वाया गया है। बीजेपी में कितना अंतर कलह है आज ये सामने आ गया है। पोस्टर फाड़ा जाना ये संकेत है कि पिछड़ा वर्ग का नेतृत्व नहीं चाहिए। भाजपा ने सम्राट चौधरी को बता दिया कि आप डिप्टी सीएम हो या गृह मंत्री हों पिछड़ा वर्ग की राजनीत करते हो इसलिए आपको स्वीकार नहीं करते।

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ अध्यक्ष ने डीएम को कहा- मैं आपसे या सरकार से नहीं डरता

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी में 30 मार्च को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में बवाल के बाद पटना यूनिवर्सिटी के छात्र संघ अध्यक्ष शांतनु शेखर समेत 6 छात्रों के खिलाफ नामजद FIR दर्ज हुई थी। वे फरार बताए जा रहे थे। इसपर शांतनु शेखर ने एक वीडियो संदेश जारी किया है। शांतनु ने पटना डीएम को कहा कि अगर आप यह समझते हैं की SIT और IB की टीम लगाकर मुझे अरेस्ट कर लेंगे या फिर मेरा एनकाउंटर करा देंगे तो मैं इसके लिए भी तैयार हूं। मैं पटना यूनिवर्सिटी के छात्रों के लिए लड़ाई लड़ता रहूंगा। अगर उनके हक के लिए बात करना आपको पसंद नहीं आ रहा है, तो आप मुझे गोली मार दीजिए, मेरा एनकाउंटर करा दीजिए। मैं ना आपकी सरकार से और ना आपसे डरता हूं। इसके साथ ही उन्होंने उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा को भी लेकर कहा है कि मैं पटना यूनिवर्सिटी को RSS का घर नहीं बनने दूंगा।

छात्रों की मांगों को दबाने के लिए दमनात्मक कार्रवाई की गईः अपने संदेश में शांतनु शेखर ने स्पष्ट कहा है कि यह लड़ाई केवल कुछ छात्रों की नहीं, बल्कि पूरे छात्र समुदाय के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने छात्रों की जायज मांगों को दबाने के लिए दमनात्मक कार्रवाई की है, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में पुलिस प्रशासन उनकी तलाश में जुटी हुई

है, जबकि उन्हें अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। उनका उद्देश्य केवल छात्रों की आवाज को उठाना और उन्हें न्याय दिलाना है।

आज न्यायालय में आत्मसमर्पण करेंगेः शांतनु शेखर ने राज्य सरकार से मांग की है कि सभी निर्दोष छात्रों के खिलाफ दर्ज FIR को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेती है, तो वे स्वयं आगे आकर आत्मसमर्पण करने के लिए तैयार हैं और कानून का सम्मान करेंगे। 9 अप्रैल को NSUI स्थापना दिवस के अवसर पर शांतनु शेखर ने ऐलान किया है कि वे स्वयं न्यायालय में आत्मसमर्पण करेंगे, ताकि यह संदेश जाए कि छात्र नेतृत्व न तो डरता है और न ही पीछे हटता है। उन्होंने आगे कहा "जब तक हमारे साथियों को न्याय नहीं मिलेगा, हमारी लड़ाई जारी रहेगी। हम हर छात्र के हक के लिए अंत तक खड़े रहेंगे।"

सीएम के सामने गो बैक के नारे लगेः दरअसल, पीयू के नए प्रशासनिक और शैक्षणिक भवन (कला संकाय) के उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना यूनिवर्सिटी के कैंपस में पहुंचे थे। इसी दौरान पीयू कैंपस के अंदर छात्रों ने उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री के विरोध में नारेबाजी की थी। पुलिस का आरोप है कि इस दौरान छात्रों ने पुलिस के काम में बाधा डाला। पुलिस कर्मियों के साथ बदतमीजी की और हाथापाई हुई। इस दौरान गो बैक के नारे भी लगाए गए थे। इस मामले में पटना पुलिस ने अनुराग कुमार को नौबतपुर और वर्तमान काउंसलर मोहम्मद एहसानुल्लाह (इकबाल छात्रावास) अशोक राजपथ से अरेस्ट किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालय प्रबंधन की जांच को लेकर एसडीओ का निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश के आलोक में सरकारी विद्यालयों की व्यवस्थाओं की जांच के क्रम में गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी सिकरहना (ढाका) विजय कुमार द्वारा चिरैया प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय, परेवा का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान विद्यालय में शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति का जायजा लिया गया। साथ ही राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं के उपयोग की स्थिति की भी समीक्षा की गई। इस क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी ने एक कक्षा में जाकर छात्रों से पढ़ाई-लिखाई से संबंधित जानकारी ली तथा स्वयं एक कक्षा का संचालन कर शिक्षण स्तर का आकलन किया। इसके उपरांत विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों के साथ बैठक आयोजित कर विद्यालय प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के समीप स्थित बिजली के तार को सुरक्षित दूरी पर हटाने का निर्देश दिया गया। साथ ही विद्यालय परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु भूमि की मापी कराकर चहारदीवारी निर्माण कराने के निर्देश भी दिए गए। प्रशासन द्वारा किए गए इस निरीक्षण से विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं में सुधार की दिशा में सकारात्मक पहल की उम्मीद जताई जा रही है।

एईएस/जेई प्रबंधन को लेकर सदर अस्पताल का निरीक्षण, व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देशानुसार जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अनुमंडलीय अस्पतालों में एईएस/जेई से संबंधित चिकित्सीय उपचार एवं प्रबंधन का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी, निशांत सिहारा द्वारा सदर अस्पताल मोतिहारी स्थित पीकू भवन में एईएस/जेई से संबंधित चिकित्सीय उपचार एवं प्रबंधन का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान विधि-व्यवस्था एवं प्रबंधन से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई तथा लंबित कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिया गया। सदर अस्पताल के हेल्थ मैनेजर कौशल कुमार दूबे ने बताया कि एईएस/जेई के प्रभावी प्रबंधन एवं संचालन हेतु पीकू वार्ड में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। इस कंट्रोल रूम का हेल्पलाइन नंबर 8544421334 निर्धारित किया गया है, जिससे आमजन आवश्यक जानकारी एवं सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

सुगौली में 5800 लीटर अवैध पेट्रोल-डीजल बरामद, दो धंधेबाजों पर प्राथमिकी

बीएनएम @ मोतिहारी/सुगौली। पूर्वी चंपारण के सुगौली थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध पेट्रोल-डीजल कारोबार का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त छापेमारी में कुल 5800 लीटर पेट्रोल और डीजल बरामद होने से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस को 08 अप्रैल 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम बंगरा ओवरब्रिज के पास झोपड़ियों में पारस साह और रामयोध्या साह द्वारा अवैध रूप से पेट्रोल-डीजल का भंडारण कर बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-01 दिलीप कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम ने आपूर्ति निरीक्षक, सुगौली के साथ संयुक्त रूप से छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पारस साह की झोपड़ी से 21 ड्रम पेट्रोल (4200 लीटर) और 6 ड्रम डीजल (1200 लीटर) बरामद किया गया। वहीं रामयोध्या साह की झोपड़ी से 1 ड्रम पेट्रोल (200 लीटर) और 1 ड्रम डीजल (200 लीटर) जब्त किया गया। बरामदगी के अनुसार कुल 4400 लीटर पेट्रोल और 1400 लीटर डीजल, यानी 5800 लीटर अवैध ईंधन पुलिस के हाथ लगा है। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। छापेमारी दल में अंचल पुलिस निरीक्षक संजीव मौआर, थानाध्यक्ष अनिष कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक पूजा कुमारी, परिचारी पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कुमार गिरी तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस ने साफ कहा है कि अवैध ईंधन कारोबार के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि काले कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

फरार अभियुक्तों पर पुलिस का शिकंजा, जालसाजी और हत्या कांड में इश्तिहार तामिला

बीएनएम @ मोतिहारी। फरार अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत केसरिया और भोपतपुर थाना पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर दो अलग-अलग मामलों में इश्तिहार तामिला की कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार केसरिया थाना कांड संख्या 126/26 में जालसाजी के प्राथमिकी अभियुक्त नाज अहमद खान उर्फ पप्पू खान, पिता स्वर्गीय मनीर अहमद खान, निवासी बैरिया, थाना केसरिया, के घर पहुंचकर पुलिस ने न्यायालय का इश्तिहार विधिवत चस्पा किया। वहीं भोपतपुर थाना कांड संख्या 153/20 के हत्या मामले में नामजद अभियुक्त गणेश साह, पिता माधो साह, निवासी बजिया खुर्द, थाना भोपतपुर, के घर भी पुलिस ने इश्तिहार तामिला की कार्रवाई पूरी की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। यदि निर्धारित समय के भीतर वे न्यायालय या पुलिस के समक्ष उपस्थित नहीं होते हैं, तो आगे कुर्की-जब्ती सहित कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिले में फरार आरोपियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है और न्यायालय के निर्देशानुसार सभी लंबित मामलों में कार्रवाई तेज कर दी गई है।

आर्म्स एक्ट का स्पीडी ट्रायल वारंटी गिरफ्तार, पिपराकोठी से दबोचा गया

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कल्याणपुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के स्पीडी ट्रायल वारंटी असलम आलम को पिपराकोठी से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार वारंटी असलम आलम, पिता नसरी आलम, निवासी मेंघुवा, थाना कल्याणपुर, लंबे समय से फरार चल रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे पिपराकोठी इलाके से दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार तेज किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी काफी गंभीर रहा है। उसके खिलाफ कल्याणपुर थाना कांड संख्या 112/24 और 176/23 में आर्म्स एक्ट, जबकि 188/23 और 194/25 में चोरी के मामले दर्ज हैं। इस गिरफ्तारी को पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया है। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में अपराधियों और फरार वारंटियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

सशक्त बिहार के निर्माण हेतु सशक्त पंचायत व्यवस्था जरूरी: दीपक प्रकाश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला के सदर प्रखंड मोतिहारी अंतर्गत बतरौलिया चौक पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा, चिकित्सा प्रकोष्ठ, बिहार के तत्वावधान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन गुरुवार को किया गया। इस अवसर पर बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश का जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उक्त कार्यक्रम का नेतृत्व चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार ने किया, जबकि अध्यक्षता एवं संचालन प्रधान महासचिव प्रो. सुरेंद्र प्रसाद ने किया। समारोह में सैकड़ों लोगों ने भाग लेते हुए मंत्री श्री प्रकाश का पुष्पमालाओं, अंगवस्त्र एवं बुके से सम्मान किया। वहीं अपने संबोधन में मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि बिहार को विकसित राज्यों की श्रेणी में लाना सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। इसके लिए पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण स्तर पर सशक्त प्रशासनिक ढांचा तैयार करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है, जिससे विकास की गति को नई दिशा मिल सके। वहीं, चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय लोक मोर्चा एवं एनडीए सरकार आम जनता की समस्याओं के समाधान हेतु 24 घंटे तत्पर है और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामपुकार सिन्हा, हिमांशु पटेल, रुपलाल कुशवाहा, डॉ. शैलेश कुमार, अशोक कुशवाहा, लालबहादुर कुशवाहा, सत्यदेव प्रसाद, जय राम प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद, योगेंद्र प्रसाद, नवल किशोर प्रसाद, रामबालक कुशवाहा, उमेश प्रसाद सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह ने न केवल जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के बीच संवाद को मजबूत किया, बल्कि बिहार के समग्र विकास के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का भी सशक्त संदेश दिया।

औचक निरीक्षण में शिक्षा व्यवस्था की परखी गई गुणवत्ता, छात्रों को मिला प्रोत्साहन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देशानुसार गुरुवार को जिला के सभी अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में सदर मोतिहारी के अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा ने राजा बाजार स्थित बाल निकेतन विद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उक्त निरीक्षण के दौरान विद्यालय में उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं, पठन-पाठन की स्थिति एवं संचालित शैक्षणिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न मदों के तहत विद्यालय को उपलब्ध कराई गई राशि के उपयोग की समीक्षा भी की गई। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी ने छात्रों से संवाद स्थापित कर उनकी शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को सामान्य ज्ञान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के उपरांत अनुमंडल पदाधिकारी ने विद्यालय के प्रधान शिक्षक एवं अन्य शिक्षकों के साथ बैठक कर विद्यालय के सुचारु संचालन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सशक्त महिला : विकसित भारत विषय पर एमजीसीयू में आयोजित होगी गरिमामयी विचार गोष्ठी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा "सशक्त महिला : विकसित भारत" विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं गरिमामयी विचार गोष्ठी का आयोजन आज 10 अप्रैल को किया जा रहा है। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगा, जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव करेंगे। इस अवसर पर देश की प्रख्यात जनप्रतिनिधि एवं सांसद बांसुरी स्वराज मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करेंगी। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका, प्रखर विचारधारा एवं जनसेवा के प्रति समर्पण उन्हें युवाओं और समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बनाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक भागीदारी को सुदृढ़ करते हुए एक समावेशी, सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण की दिशा में सार्थक संवाद स्थापित करना है। इस गोष्ठी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन हेतु ठोस पहल पर बल दिया जाएगा। इस संबंध में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर प्रसून दत्त ने कहा कि मुख्य अतिथि के रूप में बांसुरी स्वराज जी के बहुमूल्य विचार एवं मार्गदर्शन से विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं उपस्थित सभी प्रतिभागियों को नई दृष्टि एवं प्रेरणा प्राप्त होगी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय इस महत्वपूर्ण आयोजन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने हेतु संकल्पित है।

30 बड़े बकायेदारों पर शिकंजा: गिरफ्तारी के लिए एसपी को भेजी गई वारंटियों की सूची

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सरकारी बकाया वसूली को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़े नीलाम देनदारों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। उप विकास आयुक्त-सह-निलाम पत्र पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार ने नीलाम पत्रवाद के तहत जिले के बड़े बकायेदारों पर कठोर कदम उठाया है। जिन बकायेदारों के विरुद्ध पूर्व में थाना स्तर से वारंट निर्गत किए जा चुके हैं, उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात को पत्र भेजा गया है। डॉ. प्रदीप कुमार ने एसपी से अनुरोध किया है कि लंबित वारंटों के आधार पर शीघ्र गिरफ्तारी की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि सरकारी बकाया की वसूली में तेजी लाई जा सके। इस संबंध में जिले के 30 बड़े बकायेदारों (वारंटी) की सूची पुलिस अधीक्षक कार्यालय को उपलब्ध करा दी गई है। सूची में जिले के विभिन्न प्रखंडों और बाजार क्षेत्रों के कई प्रमुख बकायेदार शामिल हैं, जिन पर लंबे समय से सरकारी देनदारी लंबित है। उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि सरकारी बकाया की वसूली में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित मामलों में विधिसम्मत कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और वारंटियों की गिरफ्तारी के बाद वसूली प्रक्रिया को और तेज किया जाएगा।

दहेज के लिए हत्या की आशंका: विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला, ससुराल पक्ष फरार

बीएनएम @ हरसिद्धि/मोतिहारी

हरसिद्धि/मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के घिवाढ़ार गांव में 23 वर्षीय विवाहिता रूपा कुमारी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान गांव निवासी सर्वेश सिंह की पत्नी के रूप में हुई है। घटना के बाद से ससुराल पक्ष के सभी सदस्य घर छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है। सूचना मिलते ही हरसिद्धि थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के मायके वालों ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या करार दिया है। परिजनों का आरोप है कि हत्या के बाद शव को फंदे से लटकाकर इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। मृतका के भाई के अनुसार, रूपा की शादी वर्ष 2023 में सर्वेश सिंह से हुई थी। शादी के कुछ महीनों बाद ही ससुराल वालों ने दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी नहीं होने पर रूपा को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों का कहना है कि दहेज की मांग को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था और इसी प्रताड़ना के कारण उसकी हत्या कर दी गई। रूपा कुमारी मूल रूप से पश्चिमी चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस फरार ससुराल पक्ष की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस आत्महत्या, दहेज हत्या और हत्या सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

धनौती नदी किनारे नई सड़क व पुल निर्माण परियोजना को मिली गति, 53.5 करोड़ की योजना तैयार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पूर्वी चम्पारण द्वारा धनौती नदी के किनारे प्रस्तावित सड़क का प्राक्कलन विभाग को समर्पित कर दिया गया है। शीघ्र ही इस पथ के निर्माण की निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।यह सड़क मोतीझील किनारे की सड़क की तर्ज पर विकसित की जाएगी। निर्माण कार्य आईटीआई कॉलेज के निकट से शुरू होकर नवनिर्मित मजुराहा–कोटवा पुल तक किया जाएगा। इसके साथ ही रघुनाथपुर से मोतिहारी को जोड़ने के लिए धनौती नदी पर एक नए पुल के निर्माण का प्रस्ताव भी इसी परियोजना में शामिल है। परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 53.5 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें सड़क निर्माण के लिए 47.5 करोड़ रुपये तथा पुल निर्माण के लिए 6 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। यह महत्वाकांक्षी परियोजना क्षेत्र में यातायात सुविधा को सुदृढ़ करने के साथ-साथ समग्र विकास को नई गति प्रदान करेगी।

लोक अदालत की तैयारी तेज: 09 मई को लंबित मामलों के निपटारे के लिए प्रशासन सक्रिय

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर 09 मई 2026 की तिथि निर्धारित की गई है। इसे लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन्य पदाधिकारी मनीष कुमार, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश, प्रभारी नीलाम पदाधिकारी विकास कुमार, माप-तौल पदाधिकारी अजय कुमार, सहायक परिवहन पदाधिकारी पल्लवी कुमारी और श्रम पदाधिकारी ज्योति सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सचिव नितिन त्रिपाठी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित माइनर एक्ट के लंबित वादों को चिन्हित कर उनके शीघ्र निष्पादन की प्रक्रिया तेज करें, ताकि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निपटारा सुनिश्चित हो सके। साथ ही संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ लंबित मामलों की सूची तैयार करने, नोटिस प्रक्रिया पूरी करने और समय से पहले सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उद्देश्य यह है कि लोक अदालत के माध्यम से आम लोगों को सुलभ, त्वरित और सस्ता न्याय उपलब्ध कराया जा सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मोतिहारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय लोक अदालत में शामिल होकर अपने मामलों का सौहार्दपूर्ण और शीघ्र निपटारा कराएं।

निजी स्कूलों की मनमानी पर प्रशासन सख्त: 7% से ज्यादा फीस बढ़ी तो होगी कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी @ त्रिभुवन कुमार

मोतिहारी। निजी विद्यालयों की मनमानी फीस वसूली पर लगाम कसने के लिए पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर के आयुक्त के निर्देश के बाद जिले में बिहार निजी विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2019 का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का फैसला लिया गया है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि कोई भी निजी विद्यालय पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत से अधिक शुल्क वृद्धि नहीं कर सकता। यदि किसी स्कूल को इससे अधिक फीस बढ़ानी है, तो उसे पहले शुल्क विनियमन समिति की स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही स्कूलों द्वारा अभिभावकों पर किसी खास दुकान से किताब, ड्रेस या अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने का दबाव बनाना दंडनीय अपराध माना जाएगा। ऐसे मामलों में शिकायत मिलने पर संबंधित विद्यालय के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। निर्देशों के पालन और शिकायतों की सुनवाई के लिए जिला प्रशासन ने त्रिसदस्यीय अनुशासन एवं शिकायत समिति गठित की है। इसमें अपर जिला दंडाधिकारी सह लोक शिकायत निवारण शैलेन्द्र कुमार भारती, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी और संबंधित सभी अनुमंडल पदाधिकारी को शामिल किया गया है। जिले के सभी छह अनुमंडल कार्यालयों और जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय को शिकायत केंद्र बनाया गया है। अभिभावक अपनी लिखित शिकायत साक्ष्यों के साथ इन केंद्रों पर दर्ज करा सकते हैं। शिकायत मिलने के बाद समिति जांच करेगी और जरूरत पड़ने पर विद्यालयों का निरीक्षण भी किया जाएगा। प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि यदि कोई निजी विद्यालय निर्धारित सीमा से अधिक फीस वसूलता है या किसी विशेष दुकान से सामान खरीदने का दबाव बनाता है, तो वे तुरंत अपने नजदीकी अनुमंडल कार्यालय या जिला शिक्षा कार्यालय में शिकायत दर्ज कराएं।

संक्षिप्त समाचार

योगापट्टी थाना का एसपी ने किया औचक निरीक्षण, लापरवाही पर दारोगा तत्काल निलंबित

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन ने बुधवार को योगापट्टी थाना का औचक निरीक्षण कर लंबित कांडों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अनुसंधान में बरती गई लापरवाही पर एसपी ने कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस अवर निरीक्षक अनिल कुमार पंडित को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना में दर्ज लंबित मामलों की एक-एक कर समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में कई मामलों के अनुसंधान में शिथिलता और लापरवाही सामने आने पर संबंधित दारोगा पर तत्काल कार्रवाई की गई। एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि लंबित कांडों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उपस्थित सभी अनुसंधानकर्ताओं को केस डायरी अपडेट रखने, साक्ष्य संकलन में तेजी लाने और गंभीर मामलों में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस मौके पर परिवीक्ष्यमान सहायक पुलिस अधीक्षक सह थानाध्यक्ष योगापट्टी, अपर थानाध्यक्ष तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहे। पश्चिम चंपारण पुलिस ने कहा कि कांडों के अनुसंधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और बेहतर पुलिसिंग के लिए निरीक्षण व जवाबदेही की प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी।

हत्या कांड का आरोपी गिरफ्तार, गड़हिया पुलिस की कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के गड़हिया थाना क्षेत्र में गैर इरादतन हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी को पुलिस ने मामले के खुलासे की दिशा में अहम सफलता बताया है। पुलिस के अनुसार गड़हिया थाना कांड संख्या 36/26 में नामजद अभियुक्त रघुनाथ प्रसाद, पिता स्वर्गीय लक्ष्मण भगत, निवासी स्वांगिया, थाना गड़हिया, को छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर गैर इरादतन हत्या का आरोप है। गिरफ्तार अभियुक्त का पूर्व आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ मधुबन थाना कांड संख्या 102/14 में मारपीट का मामला दर्ज है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध आगे की विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जा रही है और उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत अदालत में पेश किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि जिले में गंभीर आपराधिक मामलों के आरोपियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है, ताकि कानून-व्यवस्था मजबूत बनी रहे।

पैक्स चुनाव नामांकन समाप्त, अध्यक्ष पद के लिए 8 उम्मीदवार मैदान में

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला के मेहसी प्रखंड में पैक्स चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। नामांकन के अंतिम दिन अध्यक्ष पद के लिए कुल 8 अभ्यर्थियों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए, जिनमें 6 पुरुष एवं 2 महिला उम्मीदवार शामिल हैं। अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने वालों में परसौनी देवजीत पैक्स से जितेंद्र कुमार, रमेश राय, निभा कुमारी, कन्या राज एवं रोहित कुमार शामिल हैं। वहीं नोनिमल पंचायत से शंभू राय और कामेश्वर सिंह ने भी अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है।इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए कुल 42 अभ्यर्थियों ने नामांकन किया, जिनमें 24 पुरुष एवं 18 महिला उम्मीदवार शामिल हैं। एआरओ -सह- पंचायती राज पदाधिकारी संजय कुमार पासवान के अनुसार, नामांकन पत्रों की समीक्षा 10 अप्रैल को की जाएगी। नाम वापसी की अंतिम तिथि 13 अप्रैल निर्धारित की गई है, इसी दिन चुनाव चिन्ह का आवंटन भी किया जाएगा। मतदान 20 अप्रैल को आयोजित होगा, जबकि मतगणना 21 अप्रैल को तिरहुत उच्च माध्यमिक विद्यालय में कराई जाएगी।

डीजल चोरी कांड में आरोपी गिरफ्तार, डुमरियाघाट पुलिस की कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी/डुमरियाघाट। पूर्वी चंपारण के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में डीजल चोरी कांड के एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 46/26 में नामजद अभियुक्त बुलेट गिरी, पिता विनोद गिरी, निवासी रामपुर खजुरिया, थाना डुमरियाघाट, को छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेजा जा रहा है। मामले में अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है।

पांडुलिपि हमारी सांस्कृतिक पहचान, इनके संरक्षण में दें योगदानः डीएम

बीएनएम @ बेतिया। जिला पदाधिकारी तरनजोत ने जिलेवासियों से भारत की प्राचीन पांडुलिपि विरासत के संरक्षण हेतु आगे आने का भावपूर्ण आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पांडुलिपियां हमारी बौद्धिक और सांस्कृतिक धरोहर हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना हमारा साझा कर्तव्य है। डीएम ने स्पष्ट किया कि पांडुलिपियों के अंतर्गत कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र, कपड़ा अथवा धातु पर हस्तलिखित ऐसे ग्रंथ आते हैं जो कम से कम ७५ वर्ष प्राचीन हों। ये दुर्लभ दस्तावेज़ किसी भी भाषा या लिपि में हो सकते हैं।जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी राकेश कुमार ने जानकारी दी कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित “ज्ञान भारतम्” राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के तहत देशभर में बिखरी हुई ऐसी मूल्यवान विरासतों को चिन्हित किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पांडुलिपियों का व्यापक सर्वेक्षण कर उनका डिजिटल संरक्षण सुनिश्चित करना है। इसके लिए एक ऑनलाइन मंच तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति या संस्था अपनी जानकारी साझा कर सकती है।उन्होंने बताया कि यदि किसी परिवार, समुदाय या संस्था के पास ऐसी पांडुलिपियां उपलब्ध हैं जो अब तक पंजीकृत नहीं हैं, तो वे ‘ज्ञान भारतम्’ मोबाइल ऐप या वेबसाइट के जरिए सर्वेक्षण में भाग ले सकते हैं। इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए क्यूआर कोड की सुविधा भी प्रदान की गई है। प्रशासन ने शिक्षण संस्थानों, सांस्कृतिक संगठनों और शोधकर्ताओं से भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। यह अभियान न केवल दुर्लभ ग्रंथों को नष्ट होने से बचाएगा, बल्कि भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर पुनर्जीवित करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

प्रधान जिला जज ने न्यायिक अधिकारियों को दिए विशेष निर्देश

बीएनएम @ बेतिया। आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली वर्ष की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई हैं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनामिका टी ने गुरुवार को न्यायिक पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि सुलहनीय आपराधिक वादों का निपटारा प्रशासन की प्राथमिकता है, जिसके लिए पक्षकारों के बीच सामंजस्य और भाईचारा स्थापित करना अनिवार्य है।न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि सभी न्यायिक पदाधिकारी संबंधित पक्षों के साथ निरंतर ‘पूर्व-बैठक’ (प्री-सिटिंग) आयोजित करें ताकि उन्हें समझौते के लिए प्रेरित किया जा सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव धीरेंद्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि बैंक ऋण, बीमा दावा, वन, श्रम और खनन जैसे विभागों से जुड़े मामलों के त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रखंड स्तर पर विधिक स्वयंसेवकों को भी तैनात किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अवसर का लाभ उठा सकें।

कुमारबाग को मिला नए थाना भवन का तोहफा, एसपी ने किया भूमि पूजन

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चंपारण में पुलिस व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन ने बुधवार को कुमारबाग थाना क्षेत्र के लखौरा पंचायत अंतर्गत विशुनपुर मदाकर (शेरा) में नए कुमारबाग थाना भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। भूमि पूजन के दौरान एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और मानकों के अनुरूप पूरा कराया जाए, ताकि क्षेत्र की पुलिसिंग व्यवस्था और अधिक प्रभावी हो सके। नया थाना भवन बनने से पुलिस कर्मियों को बेहतर संसाधन मिलेंगे और आम लोगों को भी सुविधाजनक माहौल में सेवाएं मिल सकेंगी। इस मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, सदर अंचल के पर्यवेक्षी पदाधिकारी, कुमारबाग थानाध्यक्ष सहित कई पुलिस अधिकारी और जवान मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने नए भवन को क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताया। पुलिस विभाग का मानना है कि नया थाना भवन तैयार होने के बाद कानून-व्यवस्था की निगरानी, त्वरित पुलिस कार्रवाई और जनसुनवाई व्यवस्था पहले से अधिक मजबूत होगी।

हनुमान मंदिर में चोरी का खुलासाः पुलिस ने मुकुट के साथ दो को दबोचा

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। गोविंदगंज थाना क्षेत्र के झखरा वार्ड नंबर-1 स्थित हनुमान मंदिर में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर दिया है। पुलिस ने न केवल चोरी गया भगवान का मुकुट बरामद किया, बल्कि इस मामले में संलिप्त मुख्य आरोपी और चोरी का सामान खरीदने वाले दुकानदार को भी गिरफ्तार कर लिया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया था। एसडीपीओ रवि कुमार के निर्देशन और थानाध्यक्ष राजू मिश्रा के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध ऋतिक कुमार को हिरासत में लिया। सघन पूछताछ में ऋतिक ने मंदिर से मुकुट चोरी करने की बात स्वीकार की और बताया कि उसने इसे तुरकौलिया बाजार की एक आभूषण दुकान में बेच दिया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए श्रीपति आभूषण दुकान पर छापेमारी की, जहाँ से मुकुट बरामद कर दुकानदार अरुण कुमार को भी गिरफ्त में ले लिया गया। इस पूरे ऑपरेशन में एस.आई वीरेंद्र पासवान व पुलिस बल की विशेष भूमिका रही। फिलहाल पुलिस आरोपियों को जेल भेजने की कागजी कार्रवाई में जुटी है।

एईएस-जेई को लेकर अलर्ट मोड में प्रशासन, अरेराज अस्पताल का एसडीओ ने किया औचक निरीक्षण

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। एईएस और जेई के संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। इसी कड़ी में अरेराज के अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा ने अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों, बेड, दवाओं और आपात व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। एसडीओ ने अस्पताल के नियंत्रण कक्ष और आरक्षित वार्ड का निरीक्षण किया, जहां 10 बेड की व्यवस्था पाई गई। उन्होंने ऑक्सीजन सिलेंडर, ग्लूकोज, आवश्यक दवाओं और अन्य चिकित्सीय उपकरणों की उपलब्धता की बारीकी से जांच की और संबंधित अधिकारियों को हर समय संसाधन तैयार रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों से एईएस-जेई से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों, मेडिकल टीम की तैयारी और जन-जागरूकता अभियान की विस्तृत जानकारी ली गई। एसडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मौसम में बदलाव और संभावित संक्रमण को देखते हुए सभी जरूरी तैयारियां समय से पहले पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को तत्काल इलाज मिले, इसके लिए अस्पताल प्रशासन को पूरी तरह मुस्तैद रहना होगा। लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। जिला प्रशासन की ओर से एईएस-जेई की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग को हर स्तर पर सतर्क रहने और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान तेज करने का निर्देश दिया गया है।

पतिलार के विद्यालय में पुलिस का जागरूकता अभियान

» सुरक्षा और साइबर अपराधों पर चर्चा

बीएनएम @ बगहा

बगहाः बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना क्षेत्र स्थित श्री हरिहर 10+2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पतिलार में गुरुवार को छात्राओं की सुरक्षा और साइबर जागरूकता हेतु एक विशेष अभियान चलाया गया। थानाध्यक्ष शुभम कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में छात्राओं को “अभया ब्रिगेड” के महत्व के बारे में बताते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और निडर बनने के लिए प्रेरित किया गया। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि वरीय अधिकारियों के निर्देशानुसार शुरू की गई इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। उन्होंने छात्राओं को किसी भी प्रकार की असुरक्षा महसूस होने पर तत्काल पुलिस से संपर्क करने का भरोसा दिलाया।आज के डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए पुलिस द्वारा बच्चों को साइबर सुरक्षा के प्रति भी सचेत किया गया। थानाध्यक्ष ने सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, अनजान व्यक्तियों से दूरी बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि अपनी गोपनीयता साझा करना जोखिम भरा हो सकता है। इसके साथ ही, विद्यार्थियों को मोबाइल फोन का सीमित उपयोग करने और खेलकूद जैसी शारीरिक गतिविधियों से जुड़ने की नसीहत दी गई, ताकि उनका सर्वांगीण मानसिक और शारीरिक विकास हो सके।इस कार्यक्रम के दौरान थानाध्यक्ष शुभम कुमार ने विद्यालय को गोद लेने की घोषणा की और विश्वास दिलाया कि विद्यालय की नियमित देखरेख व सुरक्षा उनका उत्तरदायित्व रहेगा। प्रभारी प्रधानाचार्य संजय कुमार प्रसाद और शिक्षकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर भारी संख्या में छात्र-छात्राएं और पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नेत्रहीन खिलाड़ियों के लिए 5 दिवसीय क्रिकेट कैंप शुरू, 12 जिलों से पहुंचे 24 प्रतिभागी

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। मधेश प्रोविंस ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से बुधवार को नेत्रहीन खिलाड़ियों के लिए पांच दिवसीय क्रिकेट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कैंप में मधेश प्रोविंस समेत नेपाल के 12 जिलों से 24 नेत्रहीन खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों में परसा, चितवन, गोरखा, तनहु, पर्वत सहित अन्य जिलों के प्रतिभागी शामिल हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता आइज़ नेपाल परसा की कोषाध्यक्ष रूपशीला जायसवाल ने की, जबकि मेजबानी बीरगंज मेट्रोपॉलिटन के अध्यक्ष अमन अली ने की। इस मौके पर पुलिस डिप्टी सुपरिटेंडेंट राजू कार्की, सेस्मी एकेडमी बीरगंज की अध्यक्षा पिया सिंह, बीरगंज वाणिज्य उद्योग संघ के उपाध्यक्ष माधव राजपाल, राउंड टेबल के अध्यक्ष मोहित राजपाल और लायंस क्लब की कोषाध्यक्ष प्रसिद्धि आनंद सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मुख्य अतिथि अमन अली ने आयोजकों और सहयोगियों का आभार जताते हुए कहा कि जरूरतमंदों की सेवा और उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य समाज को मजबूत बनाता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दृष्टिबाधित और अन्य प्रतिभाशाली लोगों को आगे बढ़ाने में हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। विशिष्ट अतिथि डीएसपी राजू कार्की ने नेत्रहीन खिलाड़ियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे खिलाड़ी देश की अमूल्य धरोहर हैं, जो अपनी मेहनत से नेपाल का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर सकते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता पिया सिंह ने कहा कि प्रतिभा किसी शारीरिक सीमा की मोहताज नहीं होती। समाज के सभी वर्गों को विशेष रूप से दिव्यांग और असमर्थ प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यों के लिए आर्थिक सहयोग देने का आश्वासन दिया। यह पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर नेत्रहीन खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

डायन बताकर वृद्ध महिला से बर्बरता, घसीटकर पीटा और गंदा पिलाने का प्रयास

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। पूर्वी चंपारण के तुरकौलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत माधोपुर मधुमालत पंचायत के माधोपुर शेखटोली में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक वृद्ध महिला को डायन बताकर कथित रूप से बेरहमी से पीटा गया, बाल पकड़कर घसीटा गया और गंदा पदार्थ पिलाने का प्रयास किया गया। पीड़िता मुस्मात अजहरी नेसा ने थाना में आवेदन देकर अपने पटीदार दस्तगीर आलम, शहनवाज आलम, जमील अहमद समेत 9 लोगों को नामजद आरोपित बनाया है। आवेदन में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपितों ने पहले उसके मुर्गी फार्म में ताला जड़ दिया, फिर जमीन पर लगे केला, अमरूद, नीम, शरीफा, पपीता, शहतूत और सेमल के पेड़ काट डाले। जब उसने इसका विरोध किया तो सभी लोग एकजुट होकर बाल पकड़कर मारपीट करते हुए जमीन पर घसीटने लगे। पीड़िता का कहना है कि मारपीट के दौरान आरोपित उसे “डायन” कहकर गाली दे रहे थे और आरोप लगा रहे थे कि उसके तंत्र-मंत्र की वजह से घर के बच्चे बीमार रहते हैं। इतना ही नहीं, आरोपितों ने कथित रूप से मैला पिलाने का प्रयास किया और गांव छोड़कर चले जाने की धमकी दी। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि घर की पानी सप्लाई का पाइप भी काट दिया गया, जिससे परिवार को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पॉक्सो में दोषी को 20 साल की सजा, 85 हजार जुर्माना; स्पीडी ट्रायल में आया फैसला

बीएनएम @ बेतिया/बगहा

बेतिया/बगहा। पश्चिमी चम्पारण में बाल यौन अपराध के एक गंभीर मामले में विशेष न्यायालय (बलात्कार एवं पॉक्सो), बेतिया ने सख्त फैसला सुनाते हुए नामजद अभियुक्त को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने उस पर 85 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला गोवर्धना थाना कांड संख्या 03/24 और पॉक्सो वाद संख्या 218/24 में सुनवाई पूरी होने के बाद आया। न्यायालय ने सूरज कुमार, पिता अखिलेश महतो, निवासी बखरी बाजार गोवर्धना डुमरी, थाना गोवर्धना, जिला पश्चिमी चम्पारण, को दोषी करार दिया। अदालत ने अभियुक्त को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 और पॉक्सो एक्ट की धारा 4 के तहत दोषी पाते हुए यह सजा सुनाई। न्यायालय के इस फैसले को बाल यौन अपराधों के खिलाफ एक कड़ा संदेश माना जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बगहा ने इसे त्वरित विचारण (स्पीडी ट्रायल) के तहत रखा था। इस कांड की मॉनिटरिंग स्वयं एसपी स्तर से की जा रही थी, जिसके कारण मामले में तेजी से सुनवाई संभव हो सकी। पुलिस और अभियोजन पक्ष द्वारा अदालत में पेश किए गए मजबूत साक्ष्यों और प्रभावी पैरवी के आधार पर न्यायालय ने यह सख्त निर्णय सुनाया। फैसले के बाद पुलिस महकमे ने इसे पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में बड़ी सफलता बताया है।

अरेराज एसडीओ ने विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण, क्लास में बच्चों को पढ़ाकर परखी शिक्षा की गुणवत्ता

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज । पूर्वी चंपारण जिलाधिकारी के कड़े रुख के बाद अब धरातल पर सरकारी योजनाओं और व्यवस्थाओं की जांच तेज हो गई है। इसी कड़ी में अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज अंजली शर्मा ने चड़रहिया स्थित नव सृजित प्राथमिक विद्यालय और राजकीय मध्य विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। एसडीओ के अचानक विद्यालय पहुँचने से परिसर में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल की आधारभूत संरचनाओं की उपलब्धता जांची और भवन, पेयजल तथा साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारी ने विद्यालय में पठन-पाठन की वास्तविक स्थिति जानने के लिए क्लासरूम का रुख किया। वहां उन्होंने न केवल छात्रों से शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी ली, बल्कि स्वयं भी बच्चों को पढ़ाया। इस दौरान उन्होंने छात्रों से कई सवाल पूछे और सही जवाब मिलने पर उनका उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत विद्यालयों को विभिन्न मदों में उपलब्ध कराई गई राशि और उसके व्यय के लेखा-जोखा की भी गहन समीक्षा की गई, ताकि विकास कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के अंत में अनुमंडल पदाधिकारी ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक और सभी शिक्षकों के साथ एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने सख्त लहजे में निर्देश दिया कि स्कूल के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शिक्षकों को समय पर स्कूल आने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। एसडीओ ने स्पष्ट किया कि शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है और भविष्य में भी इस तरह के औचक निरीक्षण जारी रहेंगे ताकि सरकारी निर्देशों का अक्षरशः पालन हो सके।

कॉलेजियम को लेकर बढ़ रहे असंतोष

कॉलेजियम सिस्टम के पक्ष में यही दलील दी जाती है कि जजों की नियुक्ति एवं तबादले सरकार के हाथ में चले गए, तो न्यायपालिका में राजनीतिक हस्तक्षेप होने लगेगा। मगर क्या कॉलेजियम ऐसे दखल से जजों को बचा पा रहा है? सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम सिस्टम पर सवाल तो पुराने हैं, लेकिन अब इन्हें सर्वोच्च न्यायपालिका के अंदर से उठाया जा रहा है, तो स्पष्टतः इसे अधिक गंभीरता से लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के दो जजों- दीपांकर दत्त और मनमोहन ने इस व्यवस्था के संचालन को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। दोनों की शिकायतें अलग-अलग हैं, लेकिन उससे कॉलेजियम को लेकर बढ़ रहे असंतोष की झलक मिलती है। जस्टिस दत्त ने कहा कि जिन जजों ने साहस एवं नैतिक दृढ़ता का परिचय दिया, कॉलेजियम उन्हें संरक्षण देने में नाकाम रहा। उन्होंने चेताया कि ऐसी घटनाओं से सिद्धांतों को तरहीज देने वाले जज हतोत्साहित हो सकते हैं। न्यायमूर्ति मनमोहन ने कॉलेजियम के प्रति हाई कोर्ट के जजों में बढ़े अविश्वास की चर्चा की। कहा कि न्यायिक नियुक्तियों के मामले में हाई कोर्ट से आई सिफारिशों को अहमियत ना दिए जाने की शिकायत गहरा गई है, इसलिए कॉलेजियम को इस पर आत्म-निरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम और केंद्र सरकार हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के प्रति संदेह का रुख रखते हैं। तो मुद्दा यह है कि कॉलेजियम अगर कर्त्तव्यनिष्ठ जजों को संरक्षण नहीं दे सकता, तो फिर उसके होने का औचित्य क्या है? ये प्रणाली खुद सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले से स्थापित की और इसमें बदलाव की कोशिशों को वह नाकाम करता रहा है। इसके पक्ष में यही दलील दी जाती है कि जजों की नियुक्तियां/ तबादले सरकार के हाथ में चले गए, न्यायपालिका में राजनीतिक हस्तक्षेप की गुंजाइश बन जाएगी। मगर अब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश भी संकेत दे रहे हैं कि प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाला कॉलेजियम सियासी दखल से जजों को संरक्षण नहीं दे पा रहा है। कॉलेजियम के पीछे मुख्य धारणा यही है कि इसका मकसद ये सुनिश्चित करना है कि न्यायपालिका पूर्ण स्वतंत्रता से काम कर सके। मगर, ऐसा तभी संभव है, जब संस्था की अंदरूनी कार्य-प्रणाली आम-सहमति और व्यापक भागीदारी से प्रेरित हो। उच्चतम न्यायालय के पांच जज बाकी सबकी सिफारिशों की अनदेखी करने लगें, तो फिर इस व्यवस्था के लोकतांत्रिक स्वरूप पर प्रश्न खड़े होंगे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज ऐसा ही हो रहा है।

महिला आरक्षण से कानून-निर्माण में भागीदारी- लोकतंत्र का शुभसंदेश

ब्रजमोहन श्रीवास्तव

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों के इतिहास में महिलाओं ने समाज, परिवार, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेना, प्रशासन, चिकित्सा, कानून, शिक्षा, व्यवसाय और शोध सहित अनेक क्षेत्रों में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है लेकिन राष्ट्रीय क़ानून निर्माण में उनकी भागीदारी नगण्य रही है। वे मतदाता थीं, कार्यकर्ता थीं, समाज की धुरी थीं, उन्हें विधानसभा और लोकसभा में अवसर तो मिले, परंतु उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं था। दशकों तक कानून-निर्माण के मंच पर उनकी उपस्थिति राजनैतिक परिस्थितियों और दलों की प्राथमिकताओं व नेताओं की मेहरबानी पर निर्भर रही।

तीन दशकों से अधिक समय के लंबे इंतजार के बाद अब यह स्थिति निर्णायक रूप से बदलने जा रही है। यह परिवर्तन एक दिन में नहीं आया बल्कि महिलाओं द्वारा परिणाम की चिंता किये वगैर निरंतर प्रयासों और हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी भूमिका की छाप छोड़ने का परिणाम है। महिला आरक्षण संविधान-106वां संशोधन अधिनियम, 2023 के पारित होने के साथ भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं का नेतृत्व अब केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वे राष्ट्र के नीति-निर्माण व क़ानून बनाने में बराबरी से भागीदार होंगी।

यह ऐतिहासिक निर्णय एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। श्री मोदीजी का मानना है कि आरक्षण देने में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है इसलिए इसे अब और नहीं टाल सकते। हालांकि, इस संशोधन का क्रियान्वयन आगामी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा है इसलिए यह 2029 के आम चुनावों में भी लागू हो सकता है।

महिलाओं के राजनैतिक अधिकारों की यात्रा के यहाँ तक पहुँचने में लगभग तीस वर्ष लगे है। 1992-93 में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगरीय निकायों में 33% आरक्षण लागू किया गया, जिससे महिलाओं की भागीदारी का मार्ग कानूनी रूप से प्रशस्त हुआ। इसके बाद कई राज्यों ने इसे 50% तक बढ़ाया। आज देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानीय निकायों में 50% महिला आरक्षण लागू है फलस्वरूप आज महिलाएँ अध्यक्ष, महापौर तथा पार्षद या नगर सेवक के लगभग एक लाख पदों पर प्रभावी नेतृत्व दे रही हैं।

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा दी है। वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएँ ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच व पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती हैं।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी द्वारा 2013 में बनाए गए नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की 1000 शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक अनिवार्य और प्रभावी घटक बन चुका है।

यह स्पष्ट है कि पिछले 30 वर्षों में महिलाओं का नेतृत्व क्रमिक रूप से विकसित हुआ है। इसी क्रमिक मजबूत आधार के कारण 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पारित करना पड़ा, जिससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का संकल्प है जिससे कुल आबादी का 50 प्रतिशत जो अभी तक मतदान तक सीमित था आने वाले समय में क़ानून निर्माता की श्रेणी में आ जाएगा।

दुर्भाग्यवश, आज भी कुछ राजनीतिक दल और विपक्षी नेता इस ऐतिहासिक निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखते हुए भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना किसी राजनैतिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का नैतिक दायित्व है जिसे पूरा करने के लिये एनडीए सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ रही है फिर विपक्ष चाहे कैसी भी पैंतरेबाज़ी करें।

पिछले वर्षों में अधिकांश नीतियाँ पुरुष-प्रधान दृष्टिकोण से बनीं, उदाहरणार्थ, जैसे सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी आवश्यकताओं के लिये निर्माण की अनदेखी हुई। स्थानीय निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व ने इस असंतुलन को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किया क्योंकि यह उनकी भी ज़रूरत से जुड़ा था। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि जब नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो निर्णय अधिक संवेदनशील, समावेशी और व्यावहारिक होते हैं जिसमें सारी जनता की ज़रूरतों का समावेश होता है।

महिला आरक्षण कानून की आलोचना करने वालों को इसे संकीर्ण राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए क्योंकि यह भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। आँकड़े बताते हैं कि जब महिलाएँ बराबरी से भागीदारी करती हैं, तो शासन अधिक प्रभावी, नीतियाँ अधिक संतुलित और समाज अधिक सशक्त बनता है।

आज महिलाएँ केवल सामाजिक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उद्योग, वित्त, तकनीक और प्रशासन के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि वे सक्षम प्रशासक, दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता और संवेदनशील निर्णयकर्ता हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि वे उत्कृष्ट कानून-निर्माता भी बनेंगी।

देश की महिलाओं ने हर स्तर पर अपनी क्षमता सिद्ध की है। अब समय आ गया है कि उन्हें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में समान अवसर दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय केवल एक कानून नहीं, बल्कि नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने श्रीमती सुनेत्रा पवार को पहले महाराष्ट्र का उप मुख्यमंत्री और फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित कर अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध कर दिया है। वह दिन दूर नहीं जब राज्यों में हम बड़ी संख्या में महिला मुख्यमंत्रियों को सरकार चलाते हुए देखेंगे।

(पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता, राकांपा है)

अमेरिका ईरान युद्धविराम से उभरती नई विश्व व्यवस्था की दिशा

कांतिलाल मांडोत

मध्य पूर्व में पिछले चालीस दिनों से जारी तनाव और संघर्ष के बाद जब अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल दो देशों के बीच शांति का क्षण भर का प्रयास नहीं था, बल्कि वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में सामने आया। इस संघर्ष ने न केवल क्षेत्रीय स्थिरता को चुनौती दी, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर भी गहरा प्रभाव डाला। ऐसे में यह युद्धविराम आशा की एक किरण के रूप में देखा जा रहा है, किंतु इसके पीछे छिपी जटिलताएं और भविष्य की अनिश्चितताएं भी उतनी ही गंभीर हैं।

इस पूरे घटनाक्रम में डोनाल्ड ट्रम्प की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्होंने इस समझौते को वैश्विक शांति के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया और यह भी स्पष्ट किया कि यह निर्णय अचानक नहीं बल्कि कई स्तरों पर कूटनीतिक प्रयासों के बाद संभव हो पाया। इस प्रक्रिया में पाकिस्तान की मध्यस्थता और उसके नेतृत्व, विशेषकर शहबाज शरीफ की पहल को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह दर्शाता है कि क्षेत्रीय शक्तियां अब केवल दर्शक नहीं रह गई हैं, बल्कि वे वैश्विक संकटों के समाधान में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

युद्धविराम से पहले की स्थिति अत्यंत तनावपूर्ण थी। होर्मुज स्ट्रेट, जो विश्व की ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, संघर्ष का केंद्र बन गया था। इस जलडमरूमध्य से तेल और गैस के जहाजों की सुरक्षित आवाजाही बाधित होने का खतरा वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता था। अमेरिका की ओर से कड़ी चेतावनियां और ईरान की ओर से जवाबी रुख ने स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना दिया था। ऐसे में युद्धविराम ने न केवल सैन्य टकराव को रोका, बल्कि ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता को भी सुनिश्चित करने की दिशा में राहत प्रदान की।

ईरान द्वारा प्रस्तुत दस सूत्रीय प्रस्ताव इस पूरे समझौते का एक महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। इस प्रस्ताव में आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने, फ्रीज की गई संपत्तियों की वापसी, क्षेत्र से विदेशी सैन्य बलों की वापसी और युद्ध के स्थायी अंत की मांग शामिल है। यह स्पष्ट करता है कि ईरान केवल अस्थायी शांति नहीं, बल्कि दीर्घकालिक समाधान चाहता है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के लिए यह स्थिति एक संतुलन साधने की चुनौती है, जहां उसे अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं और अंतरराष्ट्रीय दबावों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा।

इस युद्धविराम के बावजूद क्षेत्र में पूर्ण शांति स्थापित होना अभी दूर की बात प्रतीत होती है। इजराइल ने स्पष्ट कर दिया है कि यह समझौता लेबनान जैसे क्षेत्रों पर लागू नहीं होता, जहां हिजबुल्लाह के साथ उसका संघर्ष जारी रह सकता है। इससे यह संकेत मिलता है कि मध्य पूर्व का संकट केवल दो देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कई परस्पर जुड़े हुए संघर्षों का जटिल जाल है।

इस घटनाक्रम में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि भविष्य में कोई स्थायी समझौता होता है, तो इस संस्था पर यह जिम्मेदारी होगी कि वह परमाणु कार्यक्रम से जुड़े नियमों के पालन की निगरानी करे। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि वैश्विक संस्थाएं आज भी शांति स्थापना में एक केंद्रीय भूमिका निभा सकती हैं, बशर्ते उन्हें सभी पक्षों का सहयोग प्राप्त हो।

भारत सहित कई देशों ने इस युद्धविराम का स्वागत किया है। भारत के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसकी ऊर्जा आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। इसके अलावा वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा भी एक प्रमुख चिंता का विषय रही है। ऐसे में युद्धविराम से भारत को न केवल आर्थिक बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी राहत मिली है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस संघर्ष ने वैश्विक राजनीति में शक्ति संतुलन को लेकर नए प्रश्न खड़े किए हैं। चीन की परोक्ष भूमिका और उसकी बढ़ती कूटनीतिक सक्रियता यह संकेत देती है कि विश्व अब एकध्रुवीय नहीं रहा। विभिन्न शक्तियां अपने-अपने हितों के अनुसार नए गठजोड़ और रणनीतियां बना रही हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय संबंधों का स्वरूप लगातार बदल रहा है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ यह युद्धविराम केवल एक अस्थायी राहत है, न कि स्थायी समाधान। यह एक अवसर है, जिसका उपयोग यदि सभी पक्ष समझदारी और दूरदर्शिता के साथ करें, तो यह क्षेत्र में स्थायी शांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। लेकिन यदि इस अवसर को खो दिया गया, तो यह संघर्ष पुनः भड़क सकता है, जिसके परिणाम और भी अधिक विनाशकारी हो सकते हैं।

इसलिए आवश्यक है कि सभी संबंधित देश अपने तात्कालिक हितों से ऊपर उठकर व्यापक मानवता और वैश्विक स्थिरता को प्राथमिकता दें। संवाद, सहयोग और विश्वास ही ऐसे साधन हैं, जिनके माध्यम से इस प्रकार के जटिल संघर्षों का स्थायी समाधान संभव है। यही इस युद्धविराम का सबसे बड़ा संदेश और भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण दिशा भी है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार,स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए यादगार रहेगा। खेल कूद से जुड़े लोगों को आज किसी बहुत बड़े टूर्नामेंट में भाग लेने का सुअवसर मिलेगा। आपको वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिल सकता है। परिवार में आपके गुणों की प्रशंसा हो सकती है। नई तकनीक को अपनाने से आपके व्यापार में वृद्धि हो सकती है साथ ही उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी। अपने पार्टनर के साथ आप डिनर करने का प्रोग्राम बना सकते हैं।

वृष राशि : आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। नौकरीपेशा लोगों को अपने काम में सफलता हासिल होगी। व्यापारियों को आय के नए स्त्रोत मिलेंगे। ऑफ़िस में आपको सबका सहयोग मिलेगा। आज आप सोशल वर्क कर सकतें हैं। आपको किसी नए कॉन्टैक्ट से बहुत फायदा होगा। आज आपके विरोधी भी आपकी उदारता से बहुत प्रभावित होंगे।

मिथुन राशि : आज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। आज आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। आज काम करने से पहले घर के बड़ों की सलाह लेना बेहतर होगा। पढ़ाई के प्रति आपकी एकाग्रता में कुछ कमी आ सकती है। अपने रुचि के अनुसार सब्जेक्ट का चुनाव करने और अपनी अध्ययन की योजना में बदलाव करने की सोचेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा आपका झुकाव किसी नए काम की ओर हो सकता है। करियर के मामले में कुछ बेहतर अवसर मिलने के आसार हैं। बिजनेस में किसी नए ग्रुप से जुड़ने के बारे में विचार कर सकते हैं। हालांकि डील करते समय आपको बहुत सोच-समझकर ही आगे बढ़ना चाहिए।

सिंह राशि : आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सभी कलीग्स के साथ तालमेल बेहतर रहेगा। वालों छात्रों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। साइंस से जुड़े छात्रों के लिए आज का दिन खासतौर पर फायदेमंद रहेगा। आपका रिसर्च वर्क पूरा हो सकता है। माता-पिता के साथ बेहतर संबंध स्थापित होंगे। जॉब के मामले में बड़ा ऑफर मिलने से आपको धन लाभ हो सकता है।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी महत्वपूर्ण काम में आपको अनुभवी व्यक्ति से मदद मिलने की संभावना है। परिवार वालों के साथ शॉपिंग करने का प्लान बनायेंगे। आज पैसों का लेन-देन करने से आपको बचना चाहिए। आपको कुछ नये बिजनेस प्रपोजल मिल सकते हैं। संगीत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन मिला-जुला रहेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको कुछ कामों में सफलता मिल सकती है, लेकिन आज आपको अजनबी लोगों पर भरोसा करने से बचना चाहिए। आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाये रखने की सख्त जरूरत है। ईष्ट मित्रों से मिलने आप उनके घर जा सकते हैं आपकी दोस्ती और भी अधिक मजबूत होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य में आपको भाई-बहन का सपोर्ट मिल सकता है। आज अपने परिवार के साथ आप कुछ बेहतरीन पलों का आनंद उठायेंगे। आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे। करियर में आपकी तरक्की के नए रास्ते खुल सकते हैं। कुछ खास जगहों पर आपकी प्रशंसा होगी।

धनु राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। काम के सिलसिले में की गई यात्रा आपके लिए लाभदायक रहेगी। समाज में आपका सम्मान और रुतबा बढ़ेगा। किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा। पड़ोस के कुछ खास लोगों से आपकी मुलाकात हो सकती है। अचानक नए स्त्रोतों से होने वाला धन लाभ आपकी आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा। अपने लक्ष्य को पूरा करने में आपको किसी की मदद मिल सकती है।

मकर राशि : आज आपका दिन आपके लिए पहले की अपेक्षा अधिक व्यस्त रहने वाला रहेगा। ऑफिस में बॉस आपको कुछ नया काम दे सकते है , जिसे पूरा करने में आप सफल भी होंगे। शाम को परिवार वालों के साथ मौज-मस्ती में समय बीतेगा । किसी बात को लेकर बड़े भाई से विचार-विमर्श करेंगे। नए संपर्कों से आपको फायदा होने की उम्मीद है। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा व्यस्त रहने वाला। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ लोगों से पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपको अचानक धन-लाभ हो सकता है। काफी दिनों से रुका हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन काफी बेहतर रहेगा। किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी। आपको अचानक से कुछ ऐसा हासिल हो सकता है, जिसकी आपको बहुत आवश्यकता थी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज अपनी पद प्रतिष्ठा में वृद्धि करने के लिए आपको कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, जिससे आपका मन खुश हो जायेगा।

होम्योपैथी : सूक्ष्मता की शक्ति, स्वास्थ्य की व्यापकता

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को 'होम्योपैथी' के जनक माने जाने वाले जर्मन मूल के चिकित्सक, महान विद्वान, शोधकर्ता, भाषाविद और उत्कृष्ट वैज्ञानिक डा. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिवस के अवसर पर 'विश्व होम्योपैथी दिवस' मनाया जाता है। होम्योपैथी को आधार बनाने के सिद्धांत से चिकित्सा विज्ञान की एक पूरी प्रणाली को प्राप्त करने का श्रेय डा. हैनीमैन को ही जाता है। इसीलिए उनके जन्मदिवस को 'विश्व होम्योपैथी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस के आयोजन का उद्देश्य चिकित्सा की इस अलग प्रणाली के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति तक इसकी पहुंच की सफलता दर को आसानी से बेहतर बनाना है। 10 अप्रैल 1755 को जन्मे डा. हैनीमैन के पास एमडी की डिग्री थी लेकिन उन्होंने बाद में अनुवादक के रूप में कार्य करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। उसके बाद उन्होंने अंग्रेजी, फ्रांसीसी, इतालवी, ग्रीक, लैटिन इत्यादि कई भाषाओं में चिकित्सा, वैज्ञानिक पाठ्यपुस्तकों को सीखा। होम्योपैथी एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है, जो औषधियों तथा उनके अनुप्रयोग पर आधारित है। देश में प्रतिवर्ष केन्द्रीय आयुष मंत्रालय होम्योपैथी दिवस की थीम निर्धारित करता है और देशभर में यह विशेष दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व होम्योपैथी दिवस 'सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी' विषय के साथ मनाया जा रहा है। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर इस वर्ष डा. हैनीमैन की 271वीं जयंती मनाई जा रही है। इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य भारत सहित दुनियाभर में होम्योपैथी औषधियों की सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावकारिता को मजबूत करना, होम्योपैथी को आगे ले जाने की चुनौतियों और भविष्य की रणनीतियों को समझना, राष्ट्रीय नीतियों के विकास की रणनीति तैयार करना, अंतरपद्धति एवं अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग, उच्चस्तरीय गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा, प्रमाण आधारित चिकित्सा कार्य और विभिन्न देशों में होम्योपैथी को स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में समुचित स्थान दिलाकर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि वैकल्पिक और परम्परागत औषधियों को बढ़ावा दिए बगैर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में विश्व में होम्योपैथी का प्रमुख स्थान है। अपनी कुछ अलग ही विशेषताओं के कारण होम्योपैथी आज विश्वभर में सौ से भी अधिक देशों में अपनाई जा रही है तथा भारत तो होम्योपैथी के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश है। दरअसल होम्योपैथी दवाओं को विभिन्न संक्रमित और गैर संक्रमित बीमारियों के अलावा बच्चों और महिलाओं की बीमारियों में भी विशेष रूप से प्रभावी माना जाता है। हालांकि होम्योपैथिक दवाओं के बारे में धारणा है कि इन दवाओं का असर रोगी पर धीरे-धीरे होता है लेकिन इस चिकित्सा प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह रोगों को जड़ से दूर करती है और इन दवाओं के साइड इफेक्ट भी नहीं के बराबर होते हैं। होम्योपैथी दवाएं प्रत्येक व्यक्ति पर अलग तरीके से काम करती है और अलग-अलग व्यक्तियों पर इनका असर भी अलग ही होता है। होम्योपैथी चिकित्सकों की मानें तो डायरिया, सर्दी-जुकाम, बुखार जैसी बीमारियों में होम्योपैथी दवाएं एलोपैथी दवाओं की ही भांति तीव्रता से काम करती हैं लेकिन अस्थमा, गठिया, त्वचा रोगों इत्यादि को ठीक करने में ये दवाएं काफी समय तो लेती हैं मगर इन रोगों को जड़ से खत्म कर देती हैं। होम्योपैथी के बारे में सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि होम्योपैथी को चमत्कार के रूप में माना जाता है। केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के अनुसार चिकित्सा का ही एक वैकल्पिक रूप है होम्योपैथी, जो 'समः समम् शमयति' अथवा 'समरूपता' दवा सिद्धांत पर आधारित है, जो दवाओं द्वारा रोगी का उपचार करने की ऐसी विधि है, जिसमें किसी स्वस्थ व्यक्ति में प्राकृतिक रोग का अनुरूपण करके समान लक्षण उत्पन्न किया जाता है, जिससे रोगग्रस्त व्यक्ति का उपचार किया जा सकता है। भारत में होम्योपैथी सबसे लोकप्रिय चिकित्सा प्रणालियों में से एक है। देशभर में 210 से ज्यादा होम्योपैथी अस्पताल, 8 हजार से ज्यादा होम्योपैथी डिस्पेंसरी और करीब तीन लाख होम्योपैथी प्रैक्टिशनर हैं। भारत में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है। दिखने में भले ही होम्योपैथी दवाएं एक जैसी लगती हैं किन्तु वास्तव में विश्वभर में होम्योपैथी की 4000 से भी ज्यादा तरह की दवाएं हैं। होम्योपैथी के संस्थापक माने जाने वाले सैमुअल हैनीमैन का कहना था कि इलाज का उच्चतम आदर्श सबसे भरोसेमंद और कम से कम हानिकारक तरीके से स्वास्थ्य की तेज, कोमल और स्थायी बहाली है। चूंकि होम्योपैथी की अनेक दवाओं का प्रभाव रोगी के शरीर पर अपेक्षाकृत धीमी गति से प्रकट होता है जबकि एलोपैथी त्वरित राहत देने के लिए जानी जाती है, इसलिए लोकप्रियता के पैमाने पर दोनों पद्धतियों की तुलना अक्सर की जाती है। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि होम्योपैथी आज भी विश्वभर में सबसे अधिक प्रचलित वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों में शामिल है। इसका कारण केवल इसकी सुलभता या कम लागत नहीं बल्कि इसकी वह विशिष्ट उपचार पद्धति है, जो शरीर को स्वयं को संतुलित और स्वस्थ करने की दिशा में प्रेरित करती है। होम्योपैथिक उपचार रोग के लक्षणों को दबाने के बजाय उसके मूल कारण तक पहुंचने का प्रयास करता है, जिससे रोग की पुनरावृत्ति की संभावना भी कम हो जाती है। यह पद्धति व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पहलुओं को एक साथ ध्यान में रखती है, जिससे उपचार अधिक समग्र और प्रभावी बनता है। साथ ही, प्राकृतिक स्त्रोतों से निर्मित और अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में दी जाने वाली दवाएं सामान्यतः दुष्प्रभाव रहित मानी जाती हैं तथा अन्य दवाओं के साथ प्रतिकूल प्रतिक्रिया की संभावना भी न्यूनतम होती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

इंग्लैंड को एशेज जिताने वाले होगॉर्ड आज कुत्तों की देखभाल कर घर चला रहे

एजेंसी, लंदन

क्रिकेट में जहां काफी पैसा है और खिलाड़ी वैभवशाली जीवनशैली जीते हैं पर हर किसी के मामले में ये लागू नहीं होता। इसी कारण क्रिकेट से संन्यास के बाद कई खिलाड़ी मुश्किल हालातों में संघर्ष करते देखे गये हैं। यही कुछ इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू होगॉर्ड के साथ हुआ है। होगॉर्ड एक समय इंग्लैंड के प्रमुख गेंदबाज थे। साल 2005 में उन्होंने इंग्लैंड को एशेज में जीत दिलायी थी। वहीं क्रिकेटर आज कुत्तों की देखभाल कर अपना जीवन गुजार रहे हैं।

2000 से 2008 तक इंग्लैंड की गेंदबाजी का आधार रहे होगॉर्ड को संन्यास के बाद वह जगह नहीं मिली जो मिलनी चाहिये थी। इसी कारण उनके आर्थिक हालात खराब होते गये और अंत में उन्हें अपनी पत्नी के साथ कुत्तों की देखभाल का काम करना पड़ रहा है जबकि अपनी करियर के दिनों में होगॉर्ड का समाना करने से विश्व के दिग्गज बल्लेबाज डरते थे। उनके नाम 67 टेस्ट मैचों में 248 विकेट हैं। होगॉर्ड गेंद को दोनों तरफ घुमाते थे। साल 2005 एशेज सीरीज में होगॉर्ड ने 24 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को धवस्त कर दिया था। वहीं 2008 के आसपास होगॉर्ड का प्रदर्शन नीचे आया जिसके बाद उनकी काउंटी टीम यॉर्कशायर ने भी उन्हें बाहर कर दिया। क्रिकेट से संन्यास के बाद आर्थिक संकट बढ़ने लगे। ऐसे में उन्हें अपना घर चलाने के लिए एक नया रास्ता चुनना पड़ा। होगॉर्ड ने 'हॉगर्स डॉग ग्रूमिंग' नाम से एक बिजनेस शुरू किया. आज वे कुत्तों को नहलाते हैं, उनके बाल काटते हैं और उन्हें संवारते हैं। सुनने में यह किसी के लिए भी चौंकाने वाला हो सकता है कि जिस हाथ ने कभी एशेज की चमचमाती ट्रॉफी थामी थी, वो आज जानवरों की सेवा कर रहे हैं।

शमी की भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये : गांगुली

एजेंसी, कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम में वापसी होनी चाहिये। गांगुली के अनुसार शमी जैसे गेंदबाज की भारतीय टीम को जरुरत है। जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी शुरु करने के लिए उनसे बेहतर कोई भी नहीं है। शमी ने आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से काफी अच्छा प्रदर्शन किय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लिए थे।

गांगुली ने कहा, हमने देखा कि उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ क्या शानदार ओवर किया। साथ ही कहा किक ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं है। इनके खिलाफ 4 ओवर में 9 रन देना उनके गेंदबाजी कौशल को दिखाता है। गांगुली ने कहा कि शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि रणजी ट्रॉफी में शमी ने लगातार बेहतरीन गेंदबाजी की है। उन्होंने सेमीफाइनल में 8 विकेट लिए थे।गांगुली का मानना है कि शमी पूरी तरह फिट हैं और लगातार खेलने से उनकी फॉर्म और बेहतर हुई है। उन्होंने कहा, जब कोई गेंदबाज लगातार गेंदबाजी करता है, तो वह अपनी बेस्ट फॉर्म में होता है। नेट्स से ज्यादा मैच अभ्यास मायने रखता है।गांगुली को उम्मीद है कि चयन समिति उनके ऊपर जरुर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शमी को भारत के लिए खेलना चाहिए। उम्मीद है कि उनका समय फिर आएगा, क्योंकि वह इसके योग्य हैं।

मिलर के बचाव में उतरे गावस्कर

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर के गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अंतिम ओवर की पांचवी गेंद पर एक रन नहीं लेने के फैसले का बचाव करते हुए कहा है कि मिलर की इसमें कोई गलती नहीं लगती। गावस्कर के अनुसार मिलर को लग रहा था कि वह अच्छे फार्म में हैं और अंतिम गेंद पर आसानी से बड़ा शॉट लगा देंगे। इसी कारण उन्हें एक रन लेककर कुलदीप यादव को स्ट्राइक नहीं दी। वहीं इस मैच में कपिटल्स की हार के बाद सभी लोगों का मानना था कि मिलर ने गलती की है। मिलर के फैसले के बाद दिल्ली को अंतिम गेंद पर भी कोई रन नहीं मिला, जिस वजह उसके हाथ आया मैच फिसल गया। वहीं गावस्कर ने इस फैसले का कारण बताते हुए कहा कि वह अपने से को विजयी रन बनाना चाहता था। जिस तरह से वह पिछले ओवर में खेल रहा था, उसे विश्वास था कि वह बड़ा शॉट लगा सकता है। इसी लिए उसने एक रन नहीं लिया। इसके लिए उसे दोषी नहीं माना जा सकता है।वहीं अंतिम गेंद पर रन इसलिए नहीं बना क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद बहुत अच्छी थी। उन्होंने कहा "मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से इस बात पर आधारित था कि उसने सोचा था कि उस आखिरी गेंद से, वह कम से कम एक रन तो पक्का बना लेगा। और अगर एक नहीं, तो वह उसे मैदान से बाहर मार देगा क्योंकि वह गेंद को मैदान से बाहर मारने में बहुत अच्छा है। तो उसका दिमाग यही रहा होगा। इसके अलावा उसे ये भी लग रहा होगा कि कुलदीप को स्ट्राइक मिली तो उसके आउट होने का खतरा है।"

आईपीएल में आज होगी आरसीबी और रॉयल्स में टक्कर

एजेंसी, गुवहाटी

आईपीएल में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस मैच में रॉयल्स टीम को घरेलू मैदान होने का लाभ मिलेगा। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स ने अब तक अपने तीन मैच जीते हैं और इस समय 6 अंक के साथ ही वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं रजत पाटीदार की कप्तानी में उतरी आरसीबी ने दो मैच जीते हैं जिससे उसके चार अंक हैं और वह तालिका में तीसरे नंबर पर है। राजस्थान ने जहां चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस को हराया है। वहीं आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को पराजित किया है। दोनो ही टीमों के बल्लेबाज और गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में ये मुकाबला कांटे का होना तय है। दोनो की ही बल्लेबाज मजूबत है। राजस्थान के पास यशस्वी जायस्वाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं वहीं आरसीबी के पास विराट कोहली और रजत पाटीदार जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में हालांकि रॉयल्स ज्यादा मजबूत नजर आती है।

शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़े गये डेविड वार्नर

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई के पूर्व क्रिकेट डेविड वार्नर एक बार विवादों में है। वार्न को सिडनी पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में पकड़ा है। वार्नर संन्यास के बाद से ही लीग क्रिकेट में सक्रिय हैं और अभी पाकिस्तान सुपरलीग (पीएसएल) में खेलते हैं। वॉर्नर को सिडनी के पूर्वी उपनगर में शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में पुलिस ने पकड़ा है। एक रिपोर्ट के अनुसार ये मामला ईस्टर संडे की रात का है। वॉर्नर अपनी वैन से वापस अपने घर की ओर जा रहे थे। तभी रास्ते में सिडनी पुलिस की जांच में टेस्टिंग' के लिए एक चेकपॉइंट बनाया हुआ था। पुलिस ने देखा कि चेकपॉइंट से कुछ ही दूरी पहले एक वैन अचानक रुक गई और पार्क होने लगी। पुलिस ने संदेह होने पर रोककर उनकी जांच की जिसमें पाया गया कि उन्होंने शराब पी है। इस दौरान वार्नर ने पुलिस के साथ सहयोग किया और स्वीकार किया कि वह अपने एक दोस्त के साथ थे और गाड़ी चलाने से पहले उन्होंने वाइन के तीन गिलास पीये थे। उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां जांच में उनके खून में अल्कोहल का स्तर 0.104 पाया गया। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया में अल्कोहल की कानूनी सीमा 0.05 है, जिसका अर्थ है कि वॉर्नर का अल्कोहल स्तर निर्धारित सीमा से दोगुने से भी अधिक था। उन पर 'मिड-रेंज ड्रिंक-ड्राइविंग' का आरोप लगाया गया है और उन्हें 7 मई को डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया है। वॉर्नर पहले भी विवादों में रहे हैं।

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला ओम पावर का आईपीओ, 17 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

पावर ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी ओम पावर ट्रांसमिशन का 150.06 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 13 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। ओम पावर ट्रांसमिशन के इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 166 रुपये से लेकर 175 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 85 शेयर का है। ने अपने कर्मचारियों के लिए प्रति शेयर आठ रुपये के डिस्काउंट का भी ऐलान किया है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 85 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,875 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,375 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,105 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 150.06 करोड़ रुपये के कुल 85.759 लाख शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें 133 करोड़ रुपये के 75.75 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा 10 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। आईपीओ खुलने से एक दिन पहले बुधवार को कंपनी ने मॉर्गन स्टैनले एशिया (सिंगापुर), क्राफ्ट एमर्जिंग मार्केट फंड पीसीसी-एलाइट कैपिटल फंड, क्राफ्ट एमर्जिंग मार्केट फंड पीसीसी-सिटाडेल कैपिटल फंड और सनराइज इंवेस्टमेंट ट्रस्ट- सनराइज इंवेस्टमेंट अपॉर्च्यूनिटीज फंड जैसे चार एंकर इनवेस्टर्स से प्रति शेयर 175 रुपये के भाव पर 25,72,270 शेयर के एवज में 45.01 करोड़ रुपये जुटाए। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। ओम पावर ट्रांसमिशन की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 6.23 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 7.41 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 22.08 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 23.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 121.71 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 184.39 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 281.65 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 276.50 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

सीजफायर विफल होने की आशंका से कच्चे तेल में उबाल

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में सीजफायर को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) के भाव में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है। ब्रेंट क्रूड आज 2.50 प्रतिशत से अधिक उछल गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी आज 3.50 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई। पश्चिम एशिया में सीजफायर का ऐलान होने के कुछ घंटे बाद ही अमेरिका ने ईरान की शर्तों को बेतुका और बचकाना बता दिया। दूसरी ओर, इजरायल ने बुधवार को लेबनान पर जोरदार हमला किया, जिससे करीब 250 लोगों की मौत हो जाने की खबर आई। अमेरिका के तीखे बयान और इजरायल के हमले से भड़के ईरान ने एक बार फिर हॉर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की धमकी दे दी। ईरान की ओर से कहा गया है कि सीजफायर की शर्तों का उल्लंघन हुआ है। ऐसी स्थिति में अगर हॉर्मुज स्ट्रेट से होकर कोई जहाज गुजरा, तो उसे उड़ा दिया जाएगा। ईरान की चेतावनी के बाद से ही हॉर्मुज स्ट्रेट एक बार फिर ठप हो गया है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी आ गई है।

सर्राफा बाजार में उछली चांदी, वायदा बाजार के भाव में आई गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। दूसरी ओर, वायदा बाजार (फ्यूचर ट्रेडिंग) में चांदी में गिरावट नजर आ रही है। आज सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान हाजिर चांदी ने बुधवार के शुरुआती कारोबार की तुलना में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक की छलांग लगाई है। इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में आज चांदी 4,09,800 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 4,25,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी कल के शुरुआती कारोबार की तुलना में 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गई। इस उछाल के कारण ये चमकीली धातु आज 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,59,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,60,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,60,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,60,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत आज भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु आज 2,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। सर्राफा बाजार के विपरीत वायदा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर आज मई फ्यूचर वाले सोने ने 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,51,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। इसी तरह जून डिलीवरी वाली चांदी 1.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,36,104 रुपये प्रति किलोग्राम के साथ स्तर पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी में आज कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। कॉमेक्स पर सोना करीब 0.49 प्रतिशत गिरकर 4,753 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था, जबकि चांदी करीब 1.68 प्रतिशत गिर कर 74.12 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि वैश्विक स्तर पर मची हलचल की वजह से सोना और चांदी की कीमत में भी लगातार उतार चढ़ाव हो रहा है। पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई है।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी कतर दौरे पर

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी गुरुवार (9 अप्रैल) को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर कतर रवाना हो रहे हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि पश्चिम एशिया संकट के बीच मंत्री हरदीप पुरी 9-10 अप्रैल को दो दिवसीय कतर के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। चूंकि, भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा कतर से मंगवाता है, इसलिए यह यात्रा भारत की रसोई और इंडस्ट्री के लिए बेहद अहम है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 40 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) कतर से आयात करता है। पश्चिम एशिया संकट के दौरान ईरान ने कतर के बड़े नेचुरल गैस प्लांट्स पर मिसाइल हमला किया, जिससे कतर की 17 फीसदी एक्सपोर्ट कैपेसिटी प्रभावित हुई है। कतरएनर्जी के मुताबिक इन प्लांट्स को ठीक होने में 3 से 5 साल लग सकते हैं। ऐसे में भारत के लिए गैस की बिना रुकावट सप्लाई सुनिश्चित करना सबसे बड़ी चुनौती है, जिस पर चर्चा करने के लिए हरदीप पुरी कतर के अधिकारियों से मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि घरेलू रसोई गैस सप्लाई को लेकर फैल रही चिंताओं के बीच पेट्रोलियम मंत्रालय ने साफ किया है कि देश में एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है। सात अप्रैल को एक ही दिन में रिकॉर्ड 53.5 लाख से अधिक घरेलू रसोई गैस सिलेंडर डिलीवर किए गए। ऑनलाइन बुकिंग में 95 फीसदी का उछाल आया है, जिससे सप्लाई चेन पारदर्शी हुई है। ब्लैक मार्केटिंग को रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) का इस्तेमाल 91 फीसदी तक बढ़ गया है।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज बुधवार के शुरुआती कारोबार की तुलना में 3,670 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह चांदी कीमत में भी कल के शुरुआती कारोबार की तुलना में 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,53,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,41,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,53,980 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

नवादा में रॉयल इनफील्ड हण्टर 350 के नए वेरिएंट लॉन्च

एजेंसी, नवादा

नवादा के पटना-रांची रोड स्थित केंदुआ के मंजूराज रॉयल एनफील्ड शोरूम में हण्टर 350 के नए वेरिएंट और रंगों की लॉन्चिंग गुरुवार को की गई। प्रतिष्ठा के प्रोपराइटर श्याम अग्रवाल ने बताया कि लॉन्च के साथ ही युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और शोरूम में बुकिंग व पूछताछ में तेजी आई है। शोरूम में पेश किए गए वेरिएंट में टॉप मॉडल के रूप में मुंबई येलो और मूनशॉट व्हाइट रंग उपलब्ध हैं, जिनकी एक्स-शोरूम कीमत 1,69,804 रखी गई है।

वहीं नया वेरिएंट (बेस प्रीमियम) टारमैक ब्लैक भी ग्राहकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसकी कीमत 1,49,900 है। टारमैक ब्लैक वेरिएंट में कई आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें एलॉय व्हील्स, रियर ड्रम ब्रेक, सिंगल चैनल एबीएस 100 फ्रंट एवं 120 रियर टायर, हैलोजन हेडलाइट, ट्रिपर नेविगेशन (वैकल्पिक) तथा यूएसबी टाइप-C चार्जिंग पोर्ट शामिल हैं। लॉन्चिंग के बाद शोरूम में बड़ी संख्या में ग्राहक बाइक को देखने एवं टेस्ट राइड के लिए पहुंच रहे हैं। युवाओं के बीच खासतौर पर इस बाइक के नए रंग और स्टाइल को लेकर काफी आकर्षण देखा जा रहा है।

सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड 2 का मोशन पोस्टर जारी, फिर लौटेगा हस्तर का खौफ

सोहम शाह ने जब से तुम्बाड 2 का आधिकारिक ऐलान किया है, यह चर्चा में बनी हुई है। फैंस इसलिए भी खुश है, क्योंकि सीक्वल में दोहरा रंग जमाने के लिए नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी शामिल हो गए हैं। निर्देशन की कमान आदेश प्रसाद ने संभाली है, जबकि निर्माण सोहम शाह फिल्म्स और डॉ. जयंतीलाल गड़ा के पैन स्टूडियो के सहयोग से किया जा रहा है। इस बीच, निर्माताओं ने तुम्बाड 2 का आधिकारिक मोशन पोस्टर भी जारी कर दिया है।

सोहम ने तुम्बाड 2 का मोशन पोस्टर जारी करते हुए लिखा, हर संत का एक अतीत होता है। हर पापी का एक भविष्य होता है। पाप की विरासत लौटकर आती है, लोभ का चक्र चलता रहता है...एक बार फिर, तुम्बाड की दुनिया में आपका स्वागत है! पोस्टर में पूर्ति की देवी की एक झलक को दिखाया गया है। इससे पहले, उन्होंने सेट से मुहूर्त शॉट की तस्वीरें साझा करते हुए बताया था कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है।

तुम्बाड 2 उन बड़ी फिल्मों में से एक है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अब सोहम शाह के साथ नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी भी इस फिल्म से जुड़ गए हैं, जिसने फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी ज़्यादा बढ़ा दी है.

तुम्बाड के साथ सोहम शाह ने वाकई में सिनेमा की एक बेहतरीन मिसाल पेश की थी, जहां इस फिल्म ने अपनी एक अलग पहचान बनाई और इसे हिंदी की सबसे अच्छी फैंटेसी फोकलोर फिल्मों में से एक माना जाता है, वहीं 2024 में जब इसे दोबारा रिलीज किया गया, तो यह दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली री-रिलीज इंडियन फिल्म बन गई.

तुम्बाड 2 का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं और इसकी कमान एक्टर-प्रोड्यूसर सोहम शाह ने अपने बैनर सोहम शाह फिल्म्स के तहत संभाली है. उनके साथ पेन स्टूडियोज के डॉ. जयंतीलाल गड़ा भी जुड़े हैं, जो आरआरआर और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी सुपरहिट फिल्में दे चुके हैं.

फिल्म

सचिन तेंदुलकर ने की राकेश बेदी की जमकर तारीफ

हाल ही में अभिनेता राकेश बेदी ने स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर : द रिवेंज की सफलता को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। एक्टर ने बताया कि उन्हें लगातार बधाइयों के संदेश मिल रहे हैं, लेकिन एक खास कॉल ने इस खुशी को और भी यादगार बना दिया। एक इंटरव्यू के दौरान राकेश बेदी ने खुलासा किया कि क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने उन्हें फोन कर उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ की। इस बातचीत को याद करते हुए राकेश बेदी ने बताया कि सचिन ने उनसे कहा, "राकेश जी, मजा आ गया, क्या छक्का मारा है आपने।" इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया कि "सचिन, आपने तो मैदान पर कई छक्के मारे हैं, लेकिन मेरा छक्का तो सीधे पाकिस्तान जाकर गिरा है।" दोनों के बीच हुई यह हल्की-फुल्की बातचीत अब चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म में राकेश बेदी का किरदार बेहद दिलचस्प है। वह एक ऐसे नेता की भूमिका में नजर आते हैं, जो पिछले तीन दशकों से पाकिस्तान के लयारी इलाके में सक्रिय है और वहां अपनी मजबूत पकड़ बना चुका है। कहानी के दौरान उनका किरदार कई रहस्यों को छुपाए रखता है, जिनका खुलासा फिल्म के क्लाइमैक्स में होता है। उनकी दमदार अदाकारी ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है। गौरतलब है कि आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने कमाई के मामले में नया इतिहास रच दिया है। 'धुरंधर : द रिवेंज' ने भारत में 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म बन गई है। वहीं, दुनियाभर में फिल्म का कलेक्शन 1500 करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है, जो इसकी जबरदस्त लोकप्रियता को दर्शाता है। बता दें कि रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर : द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल कर रही है। उन्होंने फिल्म में 'जमील जमाली' नाम के एक चालाक और शातिर नेता का किरदार निभाया है, जो दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय हो गया है। उनकी कॉमिक टाइमिंग और 'बच्चा है तू मेरा' जैसा डायलॉग सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

असली हीरो कैमरे के पीछे काम करने वाले लोग : सारा अर्जुन

बॉलीवुड की स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर : द रिवेंज की सफलता के बाद एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने कहा कि किसी भी फिल्म की असली ताकत सिर्फ पर्दे पर नजर आने वाले कलाकार नहीं होते है, बल्कि वे लोग होते हैं जो कैमरे के पीछे रहकर पसीना बहाते हैं। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में उन सभी क्रू मेंबर्स के प्रति आभार जताया, जिनकी मेहनत से यह फिल्म ब्लॉकबस्टर बन पाई। सारा अर्जुन ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक आदित्य धर से मिलीं, तभी उनकी आंखों में सिनेमा के लिए कुछ बड़ा करने का जुनून नजर आ गया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान यह विश्वास और मजबूत होता गया। लेकिन जब फिल्म पूरी हुई और उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि इस सपने को साकार करने में पर्दे के पीछे काम करने वाली एक पूरी टीम की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अपने पोस्ट को 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के उन गुमनाम नायकों को समर्पित किया, जिनका योगदान अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। एक्ट्रेस ने सबसे पहले आदित्य धर और उनकी डायरेक्शन टीम का धन्यवाद किया और उन्हें इस प्रोजेक्ट का कप्तान बताया। साथ ही प्रोड्यूसर्स लोकेश धर, ज्योति मैम, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की पूरी टीम की सराहना की, जिन्होंने हर चुनौती का सामना करते हुए फिल्म को पूरा किया। सारा ने फिल्म की तकनीकी टीम की भी खुलकर तारीफ की। उन्होंने डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी और कैमरा टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने हर फ्रेम में फिल्म की भव्यता और आत्मा को जीवंत किया। कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा और उनकी टीम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने किरदारों के लिए बिल्कुल सही चेहरों का चयन किया।

सुंदर सी की अगली फिल्म का टाइटल है पुरुषन; योगी बाबू और विशाल के साथ नजर आएंगी तमन्ना भाटिया

अभिनेता विशाल, तमन्ना भाटिया और निर्देशक सुंदर सी फिर से एक साथ काम करने जा रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम पुरुषन है। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा हुई और साथ ही धमाकेदार एक्शन के साथ टीजर भी जारी किया गया। पुरुषन फिल्म की कहानी एक्शन से भरपूर है, जैसा की टीजर में दिखाया गया है। एक्टर विशाल का रोल एक शांत और आज्ञाकारी पति का है, जो घर में सारा काम करता है। लेकिन उसके अंदर एक छिपा हुआ हिंसक और एक्शन वाला इंसान है, जिसके बारे में उसकी दबंग पत्नी (तमन्ना) को शायद पता नहीं है। टीजर में दिखाया गया है कि वह घर की रसोई में ही गुंडों से लड़ता है। फिल्म पुरुषन का निर्माण एसीएस अरुण कुमार ने बेन्ज मीडिया के तहत किया है। इसमें खुशबू सुंदर भी शामिल हैं। संगीत हिपहॉप तमिझा ने दिया है, कैमरा गोपी अमरनाथ ने संभाला है और एडिटिंग रोजर कर रहे हैं। इस फिल्म में योगी बाबू भी हैं, जिससे और मजा आने की उम्मीद है। अभी फिल्म की रिलीज डेट नहीं बताई गई है। यह विशाल और सुंदर सी की एक साथ चौथी फिल्म है। पहले वे आंबला, एक्शन और मधा गज राजा जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। फैंस को हमेशा विशाल-सुंदर सी की हिट जोड़ी की फिल्म का इंतजार रहता है। तमन्ना के फैंस बेसब्री से उनकी फिल्म पुरुषन की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

मटका किंग ट्रेलर आउट, जुआ अमीरी, धोखा और मटके का खेल विजय वर्मा इस बार चलेंगे बड़ा दांव

जा प्राइम वीडियो ने अपने आने वाले ओरिजिनल ड्रामा मटका किंग का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है. अभय कोरान्ने द्वारा लिखित इस सीरीज को नागराज पोपटराव मंजुले ने बनाया, लिखा और डायरेक्ट किया है. ट्रेलर 1960 के दशक के तेजी से बदलते बॉम्बे की एक दिलचस्प कहानी की झलक दिखाता है, जहां एक महत्वाकांक्षी कपास व्यापारी (कॉटन ट्रेडर) मुश्किलों से लड़ते हुए मटका नाम का एक निडर जुआ साम्राज्य खड़ा करता है और अमीरों के इस शौक को पूरे देश का जुनून बना देता है.

मटका किंग में विजय वर्मा लीड रोल में हैं, साथ ही कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव, भूपेंद्र जादावत और गुलशन ग्रोवर भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे. इनके अलावा भारत जाधव, गिरीश कुलकर्णी, जेमी लीवर, किशोर कदम, साइरस साहूकार, अर्पिता सेठिया, संभाजी तांगडे, इश्तियाक खान, संजीव जोटांगिया और सिमरन अश्विनी भी अहम रोल निभा रहे हैं. यह सीरीज 17 अप्रैल को भारत और दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी. ट्रेलर ब्रिज भट्टी (विजय वर्मा) की मटके से बदलती दुनिया में ले जाता है, जो एक शातिर और होनहार कॉटन ट्रेडर है और 1960 के दशक के आजाद भारत के बॉम्बे में एक बेहतर ज़िंदगी के सपने देखता है. एक दमदार आइडिया के साथ, वह जुए को अमीरों के शौक से बदलकर कुछ बहुत बड़ा बना देता है और यहीं से जन्म होता है मटका का. लेकिन दांव जितना बड़ा होता है, अंजाम उतना ही खतरनाक होता है, और जो एक सपने के रूप में शुरू हुआ था, वह सब कुछ तबाह भी कर सकता है. तेज रफ़्तार और रोंगटे खड़े कर देने वाला यह ट्रेलर जुनून, ताकत और उसकी कीमत की कहानी बयां करता है, जो आपके मन में एक ही सवाल छोड़ जाता है: क्या मटका किंग का सपना पूरा होगा या सब कुछ बिखर जाएगा? 1960 के बॉम्बे को एक नए अंदाज में अनुभव करें, जो सपनों, अरमानों और मटका किंग से भरा है, जिसका प्रीमियर 17 अप्रैल को सिर्फ प्राइम वीडियो पर होगा. विराज भट्टी का किरदार निभा रहे विजय वर्मा ने बताया, मटका किंग में काम करना एक रोमांचक सफर रहा है. इस दुनिया और इस किरदार को पर्दे पर उतारना चुनौतीपूर्ण भी था और दिल को सुकून देने वाला भी, खासकर एक ऐसे दौर की पृष्ठभूमि में जिसे मैंने पहले कभी एक्सप्लोर नहीं किया था. साथ ही, दहाड़ और मिर्जापुर के बाद फिर से एक प्राइम ओरिजिनल में वापसी करना शानदार है. हमारे क्रिएटर्स नागराज मंजुले और अभय कोरान्ने ने मुझे ब्रिज की दुनिया में गहराई से उतरने की पूरी आज़ादी दी, और कृतिका, सई, गुलशन ग्रोवर जैसे टैलेंटेड को-स्टार्स और पूरी कास्ट के साथ काम करने से यह अनुभव और भी यादगार बन गया. असल में मटका किंग महत्वाकांक्षा, ताकत और कामयाबी के लिए चुकाई जाने वाली कीमत की कहानी है, जो मुझे लगता है कि हर किसी को पसंद आएगी और भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया के दर्शकों को बांधे रखेगी. मैं बस उस पल का इंतजार कर रहा हूं, जब 17 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर यह सीरीज रिलीज होगी और लोग इसे देखेंगे.

नागा शौर्य की एक्शन ड्रामा फ़िल्म बैड बॉय कार्तिक का ट्रेलर, 17 अप्रैल को होगी रिलीज़

ना नागा शौर्य, राम देसिना द्वारा निर्देशित एक ज़बरदस्त एक्शन ड्रामा फ़िल्म बैड बॉय कार्तिक में अपने नए मास अवतार में नज़र आने वाले हैं। श्री वैष्णवी फ़िल्म्स के बैनर तले श्रीनिवास राव चिंतलपुडी द्वारा निर्मित यह फ़िल्म, मास एक्शन, ड्रामा, रोमांस और कॉमेडी का एक बेहतरीन मिश्रण होने का वादा करती है। फ़िल्म के ट्रेलर में शौर्य एक ऐसे दमदार और पहले कभी न देखे गए अंदाज़ में नज़र आते हैं, जो उनकी शानदार अभिनय क्षमता और कॉमिक टाइमिंग को बखूबी उभारता है।

फ़िल्म की कहानी बैड बॉय कार्तिक के इर्द-गिर्द घूमती है— एक ऐसा बेबाक और अदम्य किरदार जो खलनायक का सामना करता है और बेगुनाहों की रक्षा करता है। ट्रेलर में नरेश वीके का भावुक अभिनय, समुथिरकानी की खौफ़नाक मौजूदगी और साई कुमार की गुदगुदाने वाली कॉमेडी देखने को मिलती है। फ़िल्म की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर विधि का अभिनय भी काफ़ी प्रभावशाली है, वहीं माइम गोपी और वेनेला किशोर जैसे सहायक कलाकारों की मौजूदगी फ़िल्म के आकर्षण को और बढ़ा देती है। रसूल एलोर की शानदार सिनेमैटोग्राफ़ी और हैरिस जयराज का दमदार बैकग्राउंड स्कोर फ़िल्म के माहौल को और भी जानदार बना देते हैं। कोटागिरी वेंकटेश्वर राव की एडिटिंग और रामानजनेयुलु का कला निर्देशन भी फ़िल्म की अपील को और मज़बूत करते हैं। ट्रेलर की सफलता ने फ़िल्म से जुड़ी उम्मीदों को काफ़ी बढ़ा दिया है, और ज़ी स्टूडियोज़ ने फ़िल्म के थिएट्रिकल (सिनेमाघरों में प्रदर्शन) और नॉन-थिएट्रिकल (अन्य माध्यमों पर प्रदर्शन) अधिकार हासिल कर लिए हैं।

फ़िल्म की स्टारकास्ट में नागा शौर्य, विधि, समुथिरकानी, नरेश वीके, साई कुमार, माइम गोपी और अन्य कलाकार शामिल हैं। अपने एक्शन से भरपूर ट्रेलर और बेहतरीन तकनीकी काम की बदौलत, बैड बॉय कार्तिक एक संपूर्ण मनोरंजक फ़िल्म साबित होने के लिए पूरी तरह तैयार है। बैड बॉय कार्तिक 17 अप्रैल को रिलीज़ होगी।

स्प्रे बनाम क्रीमः गर्मियों के दौरान कौन-सी सनस्क्रीन करती है धूप से बेहतर बचाव?

स सनस्क्रीन का उपयोग सूरज की हानिकारक किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किया जाता है। यह विभिन्न रूपों में उपलब्ध है, जिनमें स्प्रे और क्रीम सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। गर्मियों में ज्यादातर लोग क्रीम सनस्क्रीन को प्राथमिकता देते हैं, वहीं कुछ लोगों को स्प्रे वाला विकल्प समझ आता है। आइए जानते हैं कि गर्मियों के लिए कौन-सी सनस्क्रीन धूप से बेहतर बचाव कर सकती है और त्वचा की देखभाल में मदद कर सकती है।

स्प्रे सनस्क्रीन के लाभः स्प्रे सनस्क्रीन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसे लगाना बहुत आसान होता है। जब आप बाहर हों या जल्दी में हों तो इसे चेहरे और शरीर पर आसानी से छिड़ककर लगाया जा सकता है। यह जल्दी सूख जाती है और चिपचिपाहट महसूस नहीं होती, जो इसे गर्मियों के लिए आदर्श बनाता है। यह आपके मेकअप को भी खराब नहीं करती और आसानी से त्वचा में समा जाती है।

क्रीम सनस्क्रीन के लाभ : क्रीम सनस्क्रीन भी अपने आप में खास होती है। यह गहराई तक त्वचा में समाती है और लंबे समय तक असरदार रहती है। अगर आप लंबे समय तक धूप में रहते हैं या स्विमिंग करते हैं तो क्रीम सनस्क्रीन अधिक प्रभावी हो सकती है। यह त्वचा को नमी प्रदान करती है और सूखने का डर नहीं रहता। इसके अलावा इसका असर लंबे समय तक बना रहता है, जिससे आपको अधिक सुरक्षा मिलती है।

स्प्रे बनाम क्रीमः क्या है अंतर? : स्प्रे और क्रीम सनस्क्रीन, दोनों ही सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव करती हैं। हालांकि, इनके फार्मूले अलग होते हैं। स्प्रे सनस्क्रीन में हल्का फॉर्मूला होता है, जो त्वचा पर जल्दी अवशोषित हो जाता है। वहीं क्रीम सनस्क्रीन का फॉर्मूला गाढ़ा होता है, जो त्वचा को गहराई तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा स्प्रे सनस्क्रीन जल्दी सूख जाती है, जबकि क्रीम सनस्क्रीन को सूखने में थोड़ा समय लगता है। **मौसम का रखें ध्यान :** मौसम भी सनस्क्रीन चुनते समय अहम भूमिका निभाता है। गर्मियों में जब तापमान ज्यादा होता है और पसीना आता है तो स्प्रे सनस्क्रीन अधिक उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि इसे लगाना आसान होता है और यह जल्दी सूख जाती है। वहीं सर्दियों में जब हवा सूखी होती है और त्वचा को अधिक नमी की जरूरत होती है तो क्रीम सनस्क्रीन बेहतर विकल्प हो सकती है, क्योंकि यह त्वचा को गहराई तक नमी प्रदान करती है। **त्वचा का प्रकार भी है अहम :** आपकी त्वचा का प्रकार भी इस बात पर असर डालता है कि कौन-सी सनस्क्रीन बेहतर होगी। अगर आपकी त्वचा तैलीय प्रकार की है तो स्प्रे सनस्क्रीन बेहतर रहेगी, क्योंकि यह फुंसियों से बचाने में मदद करती है। वहीं सूखी त्वचा वालों के लिए क्रीम सनस्क्रीन अधिक उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करती है। संवेदनशील त्वचा वालों को भी क्रीम सनस्क्रीन अधिक सुरक्षित लग सकती है।

New theatre command plan ready, awaits nod

New Delhi, Agency: The proposed formation of theatre commands for the armed forces has acquired new contours. The western theatre, focused on Pakistan, is likely to be headed by an Indian Air Force (IAF) officer, while the northern theatre, oriented towards China, will be led by an Army officer. The maritime theatre command, on expected lines, will be headed by a Navy officer. The plan will require approval from the Ministry of Defence as well as the Cabinet Committee on Security.

Theatre commands refer to geographically defined operational areas, each headed by a military commander who controls all war-fighting assets, including aircraft, helicopters, guns, tanks, equipment and personnel.

Under the revised proposal, the IAF is set to be the permanent lead for the western theatre. This follows the impact of IAF strikes during Operation Sindoor in May last year. The allocation of theatre commands is now largely fixed, with little likelihood of rotation - unlike an earlier proposal that envisaged rotational leadership between the Army and the IAF. The military is also considering the creation of a Vice Chief of Defence Staff, along with deputy commanders for all theatres, who would be drawn from different services to ensure jointness. With the current Chief of Defence Staff set to retire in May, the revised proposal could be presented before the end of his tenure.

Appointment of priests by govt boards can't be a secular act: Centre

New Delhi, Agency: The Centre on Wednesday launched a veiled attack on a Tamil Nadu law that wrested control of appointment of 'archakas (priests)' to temples, saying Supreme Court in the past had wrongly classified appointment of 'archakas' as a "secular act" when it was purely a religious decision.

Solicitor general Tushar Mehta made a strong pitch for review of the jurisprudence developed by SC over the past few decades without considering the complexity of issues related to religion, faith and belief, and on being unduly influenced by Western jurisprudence, where individual liberty trumped societal conscience and morality.

His pitch, while in sync with the Modi govt's stand on the scope of the judiciary's intervention in faith-related issues, also takes on an additional dimension because of the timing - it came ahead of the assembly polls in TN. Mehta said that by upholding the TN law, which wrested control of appointment of 'archakas' and vested it in govt boards, SC allowed the state to intrude into religious matters of a denomination or sect maintaining their religious traditions in their temples. "If such a law is given imprimatur of Supreme Court, then even shankaracharya can be removed," he said.

Rs 155 crore penalty imposed for misbranding and substandard food products

New Delhi, Agency: In the financial year 2025-26, the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) imposed financial penalties amounting to Rs 154.87 crore as a measure against misbranding and substandard products. In the last financial year, authorities conducted 3,97,009 inspections across food establishments, signalling intensified scrutiny of compliance levels.

In parallel, 1,65,747 food samples were analysed (up to the third quarter), of which 17.16 per cent were found non-conforming, triggering prompt regulatory action. Officials said that legal enforcement also gathered momentum.

23,580 adjudication cases were decided, while 1,756 criminal convictions were secured, reinforcing accountability across the food business ecosystem. One of the key highlights from last year was the integration of the informal food sector into the regulatory framework.

Over 10 lakh street food vendors were brought under formal oversight, improving hygiene standards and reducing food safety risks at the grassroots level. FSSAI also expanded the country's food testing capabilities by notifying 18 laboratories, including advanced facilities in Singtam (Sikkim) and Tirumala (Andhra Pradesh).These labs are equipped with enhanced microbiological testing systems, enabling faster and more accurate detection of contaminants. FSSAI, in close coordination with State Food Safety Authorities, significantly ramped up enforcement and compliance efforts to strengthen consumer protection. While FSSAI sets standards and regulatory principles, the on-ground responsibility for licensing, inspections, and enforcement rests predominantly with states.

Notably, nearly 98 per cent of Food Business Operators (FBOs) fall under state licensing regimes, underscoring that food safety enforcement is largely a state-driven function.

NHAI to develop 'Arogya Van' along highways, Haryana among key states in first phase

New Delhi, Agency: Haryana is set to feature prominently in a new green initiative by the National Highways Authority of India (NHAI), which plans to develop 'Arogya Van' - thematic plantations of medicinal trees - along National Highways to promote biodiversity and ecological sustainability.

In the first phase, NHAI has drawn up an action plan covering 17 land parcels across multiple states, including Haryana, spanning over 62.8 hectares. Around 67,462 medicinal trees will be planted along various highway stretches in states such as Madhya Pradesh, Delhi-NCR, Andhra Pradesh, Gujarat, Karnataka, Odisha, Tamil Nadu, Rajasthan, Maharashtra and Chhattisgarh. The plantations will include around 36 species known for their medicinal properties, such as Neem, Amla, Imli, Jamun, Lemon, Gular and Maulsari. These species will be selected based on suitability to local agro-climatic conditions.

Priority sites include areas near toll plazas, interchanges, wayside amenities and major junctions to enhance visibility and public awareness. The initiative aims not only to green highway corridors but also to strengthen ecosystems by supporting pollinators, birds and microfauna.

India hails US-Iran truce, urges citizens to exit Iran at earliest

New Delhi, Agency: India on Wednesday welcomed the ceasefire between the US and Iran, expressing hope for a broader de-escalation in West Asia, while simultaneously urging its citizens to "expeditiously exit Iran" amid continuing uncertainties on the ground. In a fresh advisory, the Ministry of External Affairs (MEA) asked Indian nationals still in Iran to leave the country at the earliest in coordination with the Embassy of India in Tehran and strictly follow designated evacuation routes.

"In continuation of the advisory of April 7, and in light of recent developments, Indian nationals still in Iran are strongly advised to expeditiously exit Iran, in coordination with the Embassy and using the routes suggested," the advisory said. It also issued an emergency contact numbers and consular support details.

Puducherry assembly elections 2026: Top thriller seats to watch

New Delhi, Agency: The Union territory of Puducherry, a former French colony, heads to the polls on Thursday, with the ruling All India NR Congress (AINRC)-BJP combine seeking a second straight term in power.

The Congress-DMK alliance has emerged as the main challenger to the AINRC-BJP's National Democratic Alliance (NDA), which also includes the AIADMK and businessman Jose Charles Martin's newly formed Latchiya Jananagaya Katchi (LJK).

Tamil superstar Vijay's Tamilaga Vettri Kazhagam (TVK) is also in the contest, partnering with the Neyam Makkal Kazhagam (NMK), founded by independent MLA G Nehru Kuppusamy. Despite contesting its maiden election, TVK could draw a significant share of votes by leveraging Vijay's massive popularity.

The Puducherry legislative assembly has 33 seats, of which 30 are filled through direct elections. The remaining three members are nominated by the central government.Following the Special Intensive Revision (SIR), the Union territory's final electoral roll comprises 944,211 electors.

Dhaka seeks Hasina extradition, India to ease visas

New Delhi, Agency: Bangladesh foreign minister Khalilur Rahman reiterated the request for former PM Sheikh Hasina's extradition during his 2-day visit to India, marking the first time that the new BNP government led by PM Tarique Rahman officially raised the issue with Indian authorities.

Khalilur met his counterpart S Jaishankar and also petroleum and natural gas minister Hardeep Puri who said that he discussed bilateral cooperation in the energy sector with the visiting minister. According to Dhaka, Jaishankar told the Bangladesh minister about easing of Indian visas to Bangladeshis, particularly medical and business, in the coming weeks.

It's likely that Dhaka would follow court-mandated processes in the Hasina case, not allowing it to disrupt ongoing efforts for a reset in the relationship. However, the fact that Khalilur, as Dhaka said its readout of his engagements, called for the extradition of Hasina and her home minister Asaduzzaman Khan - both awarded death penalty by Bangladesh's International Crimes Tribunal - suggests the new government won't be oblivious to the likely effects domestically of Hasina's continued presence in India. Khalilur's was the first ministerial visit by either side since Rahman took over as PM in February. Bangladesh high commissioner Riaz Hamidullah had recently warned against ignoring the "antipathy" in the country over Hasina and other issues like killings of Bangladeshi nationals by Indian security forces on the border.

Tamil Nadu chief secretary, DGP shifted; Stalin cries foul

Chennai, Agency: Ahead of the April 23 election for the 234-member Tamil Nadu assembly, the Election Commission of India on Wednesday replaced the state's chief secretary, N Muruganandam, with senior bureaucrat M Sai Kumar and DGP (armed police, vigilance and anti-corruption) S Davidson Devasirvatham with Sandeep Mittal, a 1995-batch IPS officer, a decision that drew an angry reaction from CM M K Stalin. The move follows multiple complaints from the opposition, alleging that the state's administrative machinery has been operating in favour of the DMK govt.

In a formal communication to the chief secretary, EC secretary Lata Tripathi directed that M Sai Kumar, a 1990-batch IAS officer, be immediately posted as the state's top bureaucrat. EC further mandated that the outgoing officers should not be assigned any election-related posts until the polling process is complete. Emphasising the urgency of the directive, the commission ordered the changes to be implemented with immediate effect, requiring a compliance and joining report by 6pm on Wednesday. The EC directive made it clear that the transfers are part of the poll preparedness. Meanwhile, CM Stalin attacked EC, accusing it of acting like a "branch of BJP". He said DMK's victory cannot be stopped because of such moves. "Who are you trying to help by transferring the officials?" Stalin asked during his campaign at Tiruvannamalai and Kallakurichi districts on Wednesday, hours after the EC order.

"Just a few days ago, Election Commission officials visited Chennai and stated that the law and order situation in TN was excellent and the administration was fully cooperative. What changed in a week?" the CM asked. He alleged that transfers ordered by the poll panel, particularly in places like Salem, were orchestrated to benefit AIADMK general secretary Edappadi K Palaniswami and the NDA coalition.

Punjab shelves Anandpur Sahib Heritage Street project

New Delhi, Agency: The Punjab tourism department has decided to shelve the Heritage Street project in Anandpur Sahib after Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee (SGPC) officials are learnt to have demanded major changes to its original concept.

SGPC officials opposed the proposed gate at the Heritage Street, arguing that it would obstruct the view of Takht Sri Kesgarh Sahib from the main road, sources told The Tribune. They also objected to the laying of white marble on the road leading to the Takht, insisting that the route remain fully motorable. The Aam Aadmi Party (AAP) government had announced the project in November last year during an event to commemorate the 350th martyrdom anniversary of Guru Tegh Bahadur. An amount of Rs 25 crore was sanctioned for it.

Tourism department officials said the changes suggested by the SGPC would have required altering about 90 per cent of the original design. Since such changes would have completely compromised the project, the department decided to shelve it, they said.

Together, let us empower our Nari Shakti!

New Delhi, Agency: In the coming days, India will be immersed in a festive season, with celebrations taking place across the length and breadth of the nation. The people of Assam will mark Rongali Bihu while Odisha will celebrate Maha Bishuba Pana Sankranti. In West Bengal, Poila Boishakh will usher in the Bengali New Year and in Kerala, Vishu will be observed with immense enthusiasm. In Tamil Nadu, Puthandu will be celebrated while in Punjab and other parts of northern India, it will be Baisakhi, which will usher in a spirit of hope as well as positivity. I convey my best wishes to all those across India and the world who are marking these festivals. May these auspicious occasions bring happiness and prosperity to everyone's lives.

Furthermore, on April 11, we will commence the 200th birth anniversary celebrations of Mahatma Phule, and on April 14, India will pay homage to Dr Babasaheb Ambedkar on Ambedkar Jayanti.

In addition to these special occasions, when the spirit of renewal fills our hearts and minds, our nation stands at the threshold of another historic occasion. It is an opportunity to deepen the foundations of our democracy and to reaffirm our collective commitment to equality and inclusion.

On April 16, Parliament will be convened to discuss and pass an important bill that advances women's reservation. To describe this merely as a legislative exercise would be an understatement. It is a reflection of the aspirations of crores of women across India. It is an affirmation of a principle that has long guided our civilisational ethos, that society progresses when women progress.

Women constitute nearly half of India's population. Their contributions to our nation are vast and invaluable. Today, India is witnessing remarkable achievements by women across every field. From science and technology to entrepreneurship, from sports to the armed forces and from music to the arts, women are at the forefront of India's progress. Over the years, sustained efforts have been made to create an enabling environment for women's empowerment. Greater access to education, improved healthcare, enhanced financial inclusion and better access to basic amenities have strengthened the foundations of women's participation in economic and social life.

Yet, their representation in the world of politics and legislative bodies has not always been commensurate with their role in society. This is particularly unfortunate because when women participate in administration and decision-making, they bring with them experiences and insights that enrich public discourse and improve the quality of governance.

It is imperative that the 2029 Lok Sabha elections and the assembly elections to various states in the coming times are conducted with women's reservation in place. Over the decades, there have been repeated efforts to provide women with their rightful place in democratic institutions by the previous governments.